तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

केन्द्रीय विद्यालय धार
KENDRIYA VIDYALAYA DHAR

सत्र :- २०१९-२०

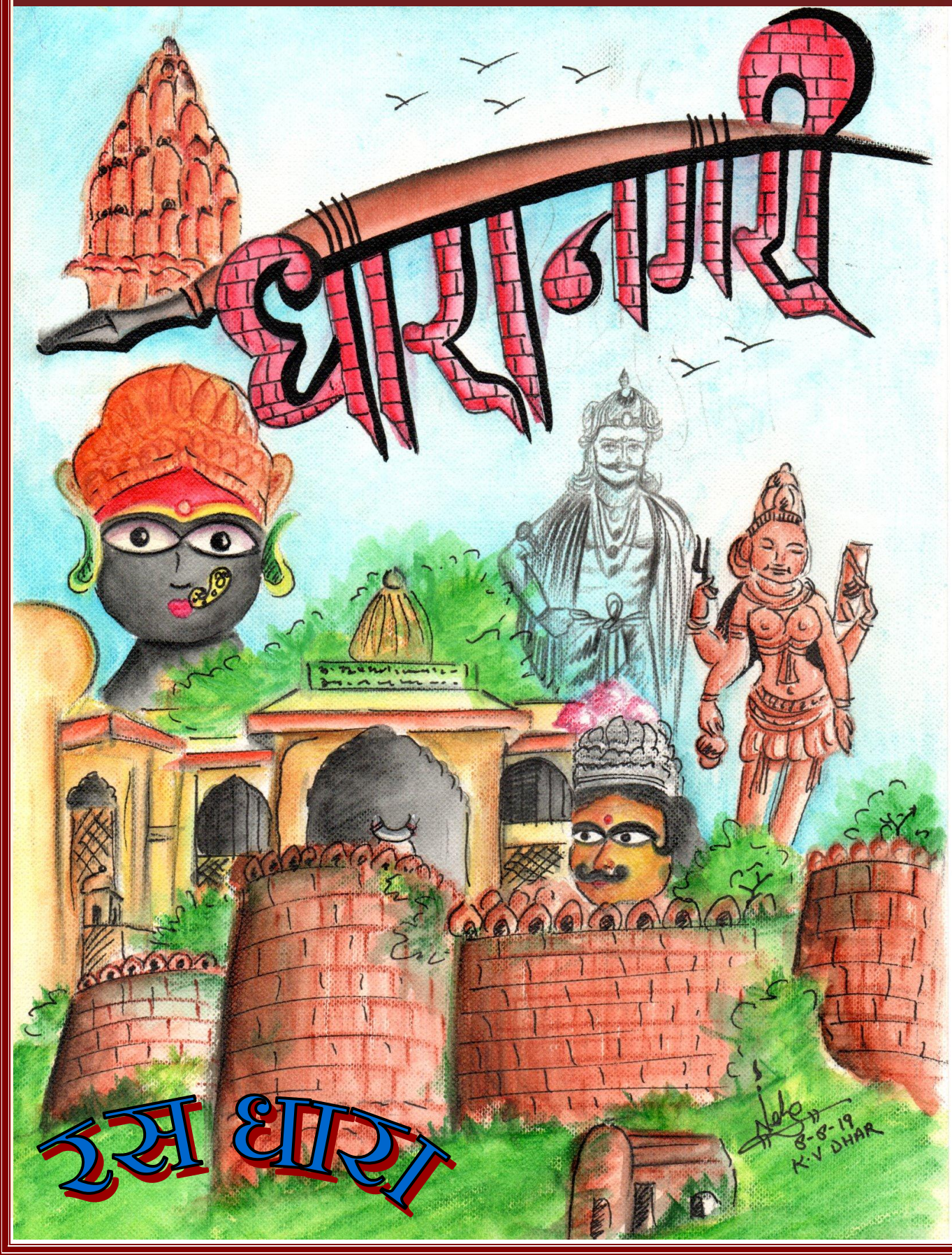

रस धारा

प्राचार्य की कलम से

यह "रसधारा" कई रंगो से सराबोर है | इसमे उन रसो का समावेश है| जो मन को आह्लादित करते है| साहित्यकर्म की ओर उत्साहित नन्हें कलमकारो का जमावड़ा है, यहाँ वही कविताऐ विभिन्न नन्हे कवियों की सुघड़ अनघढ़ रचना धर्मिता को स्थान देती है | "रसधारा" का प्रवाह अनवरत हो जो रसानुभूति और आनंद से भर दे | यही प्रयाश है |

यह प्रतिबिंब है हमारी वार्षिक गतिविधियों, उपलब्धियों और प्रेरणा की परिणति का |

आपका स्नेह और शुभ कामनाएँ ऊर्जा देती हैं|

शुभाकांक्षी

आनंद अय्यर प्राचार्य

निंदिया रानी

निंदिया रानी आजओं
पंख लगाकर सपनो के
परी लोक ले जाएगी
मीठे - मीठे गीत सुनाओ
खुशिया से भर जाएगी
टोफिया आइसक्रीम के
बागो मे ले जाएगी
निंदिया रानी आएगी ।

अंजलि मोर्य
कक्षा 7 =वी (अ)

माता-पिता

ईश्वर का दूजा नाम है , माता पिता-
गुरु का दूजा नाम है, मातापिता-
क्या क्या दूँ नाम उन्हे मै
सर्वश्रेष्ट, शक्तिमान है, माता -पिता
दुनिया का खजाना है, माता -पिता
दुनिया मे न्यारे है, माता पिता-
जो दे हमको सबकुछ
उस व्यक्तित्व का नाम है मातापिता-
माता पिता कि महिमा कहूँ किन शब्दों में-
बताती है, है खाली शब्दकोष मुझे
भगवान से तुलना की है , जिनकी
करूँ फिर में किससे तुलना उनकी
हमारे अस्तित्व का नाम है , माता -पिता

तमन्ना जमलीय
कक्षा (अ) वी7 -

पेड पौधों पर निबन्ध

पेड पौधे हमारे लिए बहुत महत्व पूर्ण साबीत होते है | पेड पौधो को हमें नुकसान या काटना नहीँ चाहिए पेड हमें फल, लकड़ीया दते है | और साथ ही साथ वह हम अलग-अलग पतिया भी देते है | और पोधों हमे फ़ल, फुल पत्तिया सब कुछ दते है | पड़े से हमें ऑक्सीजन प्राप्त होता है | इसलीए हमे पेड़ पौधे आधिक से अधिक मात्रा में उगाना चाहिए | लोग पेड़ पौधो को कटते है | पर ऐसे नहीं करना चाहिए और तो और उन्हें समझाना चाहिए पड़े से हमें मेडीसिन प्राप्त होती है | इसीलिए हमें पड़े नहीं काटना चाहिए | हमें हमारे देश में पड़े पोधे आधिक मात्रा में उगाना चाहिए और हमें वल्ड सेपलिंग डे भी बताना चाहिए | जेसे हमारे अंदर जान रहती है | वेसे ही पेड पोधे में भी जान रहती | हमें कोई मारना है जब हमें खून आता या दर्द होता है | वेसे ही उनको भी दर्द होता है |

नाम = अंकिता चौहान

कक्षा = सातवी (अ)

Happy Independence Day

भारत मे हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है। प्रत्येक व्यक्ति के लिए स्वतंत्रता का विशेष महत्व होता है इसलिए हर भारतीय के लिए यह दिन बहुत महत्व रखता है। 15 अगस्त 1947 को भारत को अंग्रेजी की पारितंत्रता के बाद स्वतंत्रता प्राप्त हुई थी। स्वतन्त्रता दिवस को हम राष्ट्रिय त्यौहार के रूप मे मनाते है।

कई वर्षो के विद्रोहों के बाद ही हमने स्वतंत्रता प्राप्त की और 14 और 15 अगस्त की मध्यरात्री को भारत एक स्वतंत्र देश बन गया। दिल्ली के लाल किले मे पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पहली बार भारत के झंडे का उनावरण किया था । उन्होने मध्यरात्रि के स्ट्रोक पर "ट्रास्ट विस्ट ईस्टिनी" भाषण दिया। पूरे राष्ट्र ने उन्हे अत्यंत खुशी और संतुष्टि के साथ सुना। तब से हर वर्ष स्वतंत्रता दिवस पर प्रधान मंत्री पुरानी दिल्ली मे लाल किले पर राष्ट्रिय ध्वज फहराते है और जनता को संबोधित करते है। इसके साथ ही तिरंगे को 21 तोपो की सलामी दी जाती है।

अच्छा कहा

- अगर आप किसी से पीछे रह जाओ ,तो घबराना मत क्योकि मकान बनने से ज्यादा समय महल बनाने मे लगता हे ।
- मंदिर मे भगवान हे जिन्हे हमने बनाया हे, घर मे माँबाप वो भगवान हे जिन्होने हमे - बनाया हे।
- झूठ बिक जाता हे', क्योकी सच को खरीदने की सबकी औकात नही होती |
- वक्त और टीचर दोनों सीखते हे फर्क सिर्फ इतना हे कि टीचर सिखा के इम्तेहान लेता हे और वखत इम्तेहान लेकर सिखाता हे
- खुद की सेलफ़ी निकालना कुछ सेकंड का काम है पर खुद की इमेज बनाने मे जिंदगी गुज़र जाती है।

अक्षत शेखावत

सतवी 'अ'

कविता

हम दीवानों की क्या हस्ती

है आज यहाँ , कल वहाँ चले

मस्ती का आलम साथ चला ,

हम धूल उड़ते यहाँ चले |

आए बनकर उल्लास अभी

आँसू बनकर वह चले अभी ,

सब कहते ही रह गए , अरे ,

तुम कैसे आए , कहाँ चले ?

किस ओर चले ? यह मत पुछो ,

चलना है , बस इसलिए चले ,

जग से उसका कुछ लिए चले ,

जग को आपना कुछ दिए चले ,

दो बात कही , दो बात सुनी ;

कुछ हँसें और फिर कुछ रोए |

छककर सुख - दुख के घूंटों को

हम एक भाव से पिए चले |

हम भिखमंगो की दुनिया मे ,

स्वच्छंद लुटाकर प्यार चले ,

हम एक निसानी - सी उर पर ,

ले असफलता का भार चले |

अब आपना और पराया क्या ?

आबाद रहे रुकनेवाले |

हम स्वय बंधें ये और स्वय

हम अपने बंधन तोड़ चलो |

नाम = कमल सिंग पटेल

कक्षा = पाचवी (ब)

चुटकुले

1) भिकारी : भगवन के नाम पर पैसे दे दो |

रमेश : सड़क पर भिख माँगते शर्म नहीं आती |

भिकारी : अब तुम्हारे एक रूपये के लिये आफिस खोल लूँ क्या ?

2) पिता : बेटा तुम मुर्गा क्यों बने हो ?

पुत्र : पिताजी आपने ही तो कहा था , जो काम विद्यालय में किया हो , उसे घर पर दोहराना चाहिए |

3) सुरेश : ऑटो वाले से हुनमान मंदिर जाओगे ?

ऑटो वाला : जी हा |

सुरेश : तो आते हुए मेरे लिए प्रसाद लेते आना |

4) अद्यापिका : मै जो प्रश्न पूछूंगी उसका उत्तर फटाफट देना

छात्र : जी अद्यापीका भारत की राजधानी का क्या नाम है ?

छात्र : फटाफट

नाम = तानिया पटेल

कक्षा = 7 (अ)

दाव उल्टा पड़ा

एक बार अकबर ने बीरबल की फजीहत करने का निश्चय किया । उसने इस काम मे दरबारियों का भी सहयोग लिया । सभी को बगीचे मे इकट्ठा किया और कहा “कल रात को मैने एक सपना देखा था । श्रीमान का सपना हमेशा सही होता है ।” एक दरबारी ने हाँ मे हाँ मिलाई । अकबर ने कहा ,” सपना यह भी की आज जो व्यक्ति बाग के हौज़ मै जाकर अंडा ले आएगा , वह पवित्र माना जाएगा और खुदा की उस पर महरबानी होगी ।”

बीरबल चतुर था । उसने कहा ,” जहाँपनाह शुरवात आपसे होनी चाहिए । आपके बाद दरबारियों की और अंत मे मेरी बारी ।

ओम डावर

5‘अ’

दोस्ती

दो दोस्तो की कहानी - मिष्ठी और सृष्टि ,यह दोनों पहली बार विद्यालय मे मिली ,यह सृष्टि का पहला दिन था उसके नए विद्यालय मे वह दोनों पहले कुछ बात नहीं करते थे। मिष्ठी ने सृष्टि से पूछा,"क्या आप मेरी दोस्त बनोगी? तब सृष्टि ने बोला,"हाँ ,मुझे आपकी दोस्त बनने मे कोई एतराज़ नहीं है पर क्या मुझे इस विद्यालय के बारे मे कुछ बताओगी।" तब मिष्ठी ने बोला ,"हाँ, क्यो नहीं।" मिष्ठी ने सृष्टि को विद्यालय के बारे में सब कुछ बताया। इस तरह उनमे गहरी मित्रता हो गई। दोनों एक दूसरे की हर कार्य में मदद करते थे। मिष्ठी और सृष्टि दोनों साथ मिलकर बहुत सी चीजे करते थे। क्योकि मिष्ठी के पिताजी शिक्षक थे इस वजह से उनका स्थानांतरण इंदौर श्हर मे हो गया। जब सृष्टि को यह पता चला तो वह बहुत दुखी हो गई और वह उसके घर उससे मिलने गई। लेकिन जब वह उसके घर गई तो पड़ोस के लोगो ने बताया वह तो जा चुकी है। तब सृष्टि ने मिष्ठी को फोन लगाया और कहा,"मुझे दुख है की अब हम साथ नहीं रह पाएंगे।" क्योकि सृष्टि समजदार थी उसने कहा,"तुम्हारी कोई गलती नहीं है मिष्ठी।" उन्होने फोन रखा और उन्हे याद आया की उनके पास एक दूसरे की फोटो थी। मिष्ठी ने सोचा की हम कभी वापस नहीं मिल पाएँगे। अब वह इस बात को भूल चुके थे। एक दिन वह मिले अब वह बड़े हो चुके थे पर उन दोनों ने एक दूसरे को देखते ही पहचान गए और वह गले लग गए।

शिक्षा:- हम अपने सच्चे मित्र से चाहे कितने भी दूर हो जाए पर उनकी मित्रता को कभी नहीं भूल सकते।

रचनाकार:- ऐश्वर्य माने एवं पुर्णिमा रघुवंशी

न रखना

जो तुम्हें ज़िंदगी से दूर कर दे
जो तुम्हें ज़िंदगी से दूर कर दे
एसी कोई चाहे न रखना
जो तुम्हें मंज़िल से भटका दे
जो तुम्हें मंज़िल से भटका दे
एसी कोई राहे न रखना
जिंदगी की ठोखर अच्छी है जनाब
जिंदगी की ठोखर अच्छी है जनाब
जो तुम्हें ज़माने से नज़रे चुराने पर मज़बूर कर दे
जो तुम्हें ज़माने से नज़रे चुराने पर मज़बूर कर दे
ऐसी कोई बाहे न रखना
ये जहाँ नज़रों का खेल है ऐ बरखुरदार!
ये जहाँ नज़रों का खेल है ऐ बरखुरदार!
इक पल मे हसी इक पल मे कब्र-ए-जहाँ
जो इस जहाँ को जहन्नुम बना दे
एसी कोई निगाहे न रखना
जो तुम्हें जिंदगी से दूर कर दे
एसी कोई चाहे न रखना
चाहे न रखना ----

- प्राची त्रिवेदी
10 'अ'

पर्यावरण बचाव

पेड़ लगाव

वृक्ष पर्यावरण के परम सखा
कहलाते धरा के पुत्र हैं
होती हरियाली इनसे सदा
परोपकार के देते अगणित सूत्र है।

हरियाली खुशहालीका सूचक है
इन्हे देख वर्षा भी अकुलाती है।
घुमड़ - घुमड़ बादल घिर आते
हवा बहुत मुसकुराती है।

आओ वृक्ष लगाकर पुण्य कमाओ
नया संदेश सब जग मे पाहूँचाए
पेड़ लगाकर सृष्टि सजाओ
इसे नष्ट होने से सदा बचाओ।

पेड़ लगाना नवीनता को स्वीकारना है
मानव मन की तरुणाई के भाव जगाना है
हम सबको यदि खुश रहना है
तो पेड़ लगाकर वसुंधरा को कहलाना है।

अलख जगा दो अंतरतम को मिटा दो
भेद मिटा दो , बस एक पेड़ लगा दो
पर्यावरण बचाओ , बस एक पेड़ लगा दो।

वही. एस. कृति
कक्षा:-पाँचवी 'अ'

पू . बेगम की सबसे प्रिय चीज़

एक बार बादशाह अकबर अपनी बेगम पर बहुत नाराज हुआ |

उसने बेंगम से कहा ," तुम अपने पीहर चली जाओ | फिर मुझे

कभी अपना मुंह मत दिखाना |" बेंगम घबरा गई | वह दौड़ती

हुई बीरबल के पास गई | उसने बीरबल से बादशाह के गुस्से

और हुक्म की बात बताई | बीरबल ने उसे एक उपाई बताया |

बेंगम बादशाह से मिलने महल में गई | बादशाह ने उसे देखकर

अपना मुंह फेर लिया | बंगेम ने कहा , " ज़हापना , आपको

छोड़कर जाना मुझे बिलकुल अच्छा नहीं लगता | आपका हुक्म है ,

इसीलिए मुझे जाना ही पड़ेगा | मुझे तो अपना बाकी

जीवन आपकी सेवा में ही बिताना था |

परन्तु अब क्या हो सकता है ? " अकबर ने उसकी

और बिना देखे ही कहा , " झूठी खुशामद मत करो |

जो कुछ कहना है , झटपट कहकर चली

नाम = तरुण कटारे

कक्षा = 5 अ

माँ , क्या मैं इतनी बुरी हूँ

माँ , क्या में इतनी बुरी हूँ , कि तेरी को कोख से जन्म न

ले सकूँ क्या मैं इतनी बुरी हूँ , कि दुनिया के सतरंगी रंग न

देख़ू सकूँ माँ कायो तूने यह मेरे साथ

क्या बैर , क्या दुश्मनी थी मेरे साथ ,

क्यों कर दिया मुझे हताश ...

जरा साचे , किसे बनाएगी तू अपनी बहू घर में

अगर बेटी ही नहीं होगी किसी छल में

चारो ओर मचेगी हाहाकार , जब लक्ष्मी होगी निराश

अब कभी तू लक्ष्मी की पूजा न करना

कयोकी ठुकराया है तूने उस मन को ,

जिसमे थी लक्ष्मी का वास

माँ क्या मैं इतनी बुरी हूँ

नाम = श्रेया निनामा

कक्षा = सातवी (अ)

माँ की ममता

एक बंदरिया के पास दो बच्चे थे | उसका बड़ा बेटा चिदू , सूरत से उतना अच्छा नहीं दिखता था | जितनी की उसकी छोटी बहन चीटी अच्छी दिखती थी | उसका बड़ा बेटा सदा सही सोचता था कि उसकी माँ , संभव है , उसकी छोटी बहन को आधिक चाहती है , कयोकि वह दखने में कुरूप दीखता है , पर एसा नहीं था | बंदरिया माँ तो दोनों को बहुत प्यार करती थी | एक दिन अचानक बहुत्ब भयंकर तूफान आया | हवा - आँधी बहुत जोर - जोर से चल रही थी | चारो और पेड और उनकी शाखाएँ जोर की आवाज के साथ गिर रही थी | बंदरिया म बहुत भयभीत और चिंतित हो गई की यदि वे उस स्थान से शीछ नहीं भागे , तो उसे और उसके दोनों बच्चों को चोट लग सकती है | अत : बंदरिया माँ ने अपने छोटे बच्चे को उठाकर सिन से लगाया और वहाँ से इतनी तेजी से दौड़ पड़ी जितनी तेज वहदौड़ सकती थी बंदरिया माँ का बड़ा बच्चा चिंटू भी बहुत आधिक दर गया था | वह जल्दी से कूदकर अपनी माँ की पीठ पर चिपककर बात गया | अब उसकी माँ एक पेड पर कूदती हुई दोड़ रही थी तभी आचानक एक पडे की डाल टूट गेन |

नाम जयश्री ठाकुर

कक्षा पाचवी (अ)

रोचक तथ्य

१. दुनिया में 6800 अलग-अलग भाषाएँ हैं।

२. बुद्धिमान लोग समान्य लोगों की तुलना में बहुत जल्दी गुस्सा हो जाते हैं ।

३. काले रंग के लोगों को कम दिल का दौरा पड़ता है।

४. जब आप झूठ बोलते है तो आपकी नाक गर्म हो जाती है।

५. नोट कागज का नहीं बल्कि कॉटन का बनाता है।

६. दुनिया में सिर्फ 2% ही व्यक्ति ऐसे हैं जिनकी आँखों का रंग हरा है।

७. गोल्ड फिश अपनी आँखें कभी भी बंद नहीं करती है।

८. दिन में सपने देखना आपके दिमाग के लिए फायदेमंद होता है, इससे आप रचनात्मक बनते हैं ।

९. जो लोग जितना धूम्रपान करते हैं, उनके बाल जल्द ही भूरे रंग के हो जाते हैं ।

१०. पहली बार चीनी भारत में ही बनाई गयी थी।

युनिका बघेल

12 वीं'अ'

जीवन के राज़

१. बेजान चीजों को बदनाम करने के तरीके कितने आसान होते हैं...! लोग सुनते है छुप- छुप कर बातें और कहते हैं कि दीवारों के भी कान होते हैं!!!

२. संघर्ष में आदमी अकेला होता है, सफलता में दुनिया उसके साथ होती है। जब-जब जग किसी पर हंसा है, तब-तब उसी ने इतिहास रचा है।

३. तेरा सपना क्यों पूरा नहीं होता.... हिम्मतवालों का इरादा अधूरा नहीं होता। जिस इंसान के कर्म अच्छे होते हैं, उसके जीवन में कभी अंधेरा नहीं होता...!

४. 'धर्म' से 'कर्म' इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि 'धर्म' करके खुदा से मांगना पड़ता है, जबकि 'कर्म' करने से खुदा को खुद ही देना पड़ता है।

५. वक्त, दोस्तऔर रिश्ते ये वो चीजेंहैं, जो हमें मुफ्त में मिलती हैं, लेकिन इनकी कीमत का अंदाजा इन्हे खोने के बाद होता है।

मैं बोझ नहीं हूँ !

शाम हो गई अभी तो घुमने चलो न पापा ।
चलते-चलते थक गई कंधे पे बिठा लो न पापा ।
अंधेरे से डर लगता है, सीने से लगा लो न पापा ।
मम्मी तो सो गई,
आप ही थपकी देकर सुलाओ न पापा ।
स्कूल तो पूरा हो गया,
अब कालेज जाने दो न पापा ।
पाल-पोस बड़ा कर लिया,
अब जुदा तो मत करो न पापा ।
अब डोली में बिठा ही दिया तो,
आँसू तो मत बहाओ न पापा ।
आपकी मुस्कराहट अच्छी है,
एक बार मुस्कुराओ न पापा ।
आप ने मेरी हर बात मानी है,
एक बात और मान जाओ न पापा ।
इस धरती पर बोझ नहीं हूँ मैं,
दुनिया को समझाओ न पापा ।
दुनिया को समझाओ न पापा.....

दोस्त.....

➢ तू गलती से भी कंधा न देना, मेरे जनाजे को ए दोस्त...
कही फिर जिंदा न हो जाऊ, तेरा सहारा देखकर...

➢ अच्छे दोस्त तकिये के जैसे होते हैं,
मुश्किल में सीने से लगा सकते हैं,
दुख में उस पर रो सकते हैं,
खुशी में गले लगा सकते हैं,
और गुस्से में लात भी मार सकते हैं ।

➢ हम आज भी शतरंज का खेल
अकेले ही खेलते हैं
क्योंकि दोस्तों के खिलाफ चाल
चलना हमें आता नहीं।

बचपन

कागज की कश्ती थी पानी का किनारा था,
खेलने की मस्ती थी ये दिल आवारा था,
कहाँ आ गए इस समझदारी के दलदल में,
वो नादान बचपन कितना प्यारा था।

ज़िंदगी

मिली थी ज़िंदगी किसी के काम आने के लिए,
पर वक्त बीत रहा है,कागज के टुकड़े कमाने के लिए ।
क्या करोगे इतना पैसा कमाकर.....
ना कफन में जेब है, ना कब्र में अलमारी और ये मौत के फरिश्ते तो
रिश्वत भी नहीं लेते ...

कमज़ोर हो गई माँ

जीवन की सांध्य वेला में माँ हो गई है, कुछ कमजोर शरीर से और याददाश्त से भी। उसे नहीं रहता अब, कुछ भी याद,तभी तो वह भूल गई, मेरी सारी गलतियाँ और शरारतें। माँ को अब कहाँ याद रहती है, अपने बच्चों की गलतियाँ। लेकिन उसे याद है, मेरी सारी पसंद-नापसंद.... नहीं भूली वह मेरे लिए मेरा पसंदीदा खाना पकाना।

देखिए. . .

हर एक हद से गुजर गई माँ, बच्चे के लिए बाज़ार में उतर गई माँ।
माँ के पसीने ने घर में महकाएँ गुलाब, अपने अरमान खुद ही कुतर गई माँ।
जब से बहू आई है वह चुप ही रहती है,औलादों का कहना है सुधर गई माँ।
बहू-बेटे ने किया था जानलेवा हमला, जब पुलिस आई थी तब मुकर गई माँ।
अब केवल यादों में नज़र आयेगी, तेरी दुनियाछोड़ कर ऊपर गई माँ. . .

हौसले . . .

अपने हौसलों के बल पर हम, अपनी प्रतिभा दिखा देंगे ।
भले कोई मंच ना दे हमको, हम मंच अपना बना लेंगे ।
जो कहते खुद को सिताराहैं, जगमगा कर उनके सामने हों ।
चमक कर देंगे उनकी फीकी और सूरज खुद को बना लेंगे ।

हवा में घुलता जहर

- **भारत में हर साल २ दिसंबर को 'राष्ट्रीय प्रदूषण निवारण दिवस' मनाया जाता है।**इस दिन भोपाल गैस त्रासदी में अपना जीवन खोने वाले लोगों को याद किया जाता है।
- **राष्ट्रीय प्रदूषण नियंत्रण दिवस -**

भोपाल गैस त्रासदी २ और ३ दिसंबर की रात को वर्ष 1984 में हुई थी। उसमें मिथाइल आइसोसाइनेट नामक जहरीली गैस के रिसने के कारण सेकड़ों लोगों की मृत्यु हो गई थी भोपाल गैस त्रासदी विश्व के इतिहास में घटित होने वाली बड़ी औद्योगिक त्रासदी है।

ऋषि बाफना
12 वी 'ब'

चुट्कुले

1. माँ- तुम्हारे आफिस में काम कैसा चल रहा है।
   बेटा-माँ, मेरे नीचे 25 आदमी काम करते हैं....
   माँ- तो क्या तू अफसर हो गया है ?
   बेटा- माँ, मेरा आफिस ऊपर की मंजिल पर है, नीचे की मंजिल पर 25 आदमी काम करते हैं ।
2. मम्मी- मुझे नई साड़ी चाहिए,'अम्मा-जान' से मँगवा लीजिये।
   पापा- वो अम्मा- जान नहीं 'Amazon' होता है।
3. बेटा- डैडी, रावण कौन था ?
   पापा- अरे इतना भी नहीं पता? तू स्कूल में क्या करता है? जा टेबल पर से 'महाभारत' उठाला, मैं बता देता हूँ।

युगवीर जादमें
12 वी 'ब'

हमारी समुद्री ताकत

भारत की नौसेना विश्व की सबसे मजबूत नौसेना में से एक है।

आइए नजर डालें जहाजों की ताकत पर-

- **आईएनएस तलवार {एफ40}** -> यह पोत भारतीय नौसेना की 'तलवार' श्रेणी का पोत है। इसका निर्माण रूस में किया गया था। यह अपने साथ 'HALDHRUV'हेलिकाप्टर ले जाने की क्षमता रखता है।
- **आईएनएस विक्रांत->** यह भारतीय नौसेना का विमानवाहक जहाज है। इस जहाज ने 1971 में भारत पाकिस्तान के युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।
- **आईएनएस ताबार** -> यह भारतीय नौसेना की 'तलवार' श्रेणी का तीसरा पोत है। 19 अप्रेल 2004 में यह नौसेना में आया था।
- **आईएनएस ज्योति** ->यह भारतीय नौसेना का अत्याधुनिक पोत है। यह आईएनएस विक्रमादित्य से पहले तक सबसे लंबा विमानवाहक पोत था।

युगवीर जादमें, ऋषी बाफना

12 वी 'ब'

फिर छिड़ी बात 'नोटों' की

१. एक रुपये का नोट वित्त मंत्रालय जारी करता है। इस नोट पर आरबीआई गवर्नर की जगह फ़ाइनेंस सेक्रेटरी के सिग्नेचर होते हैं।

२. RBIने जनवरी 1938 में पहली बार 5 रुपए की पेपर करेंसी छापी थी, जिस पर किंग जार्ज-6 का चित्र छपा था।

३. नोटो पर सीरियल नंबर इसलिए डाला जाता है, क्योंकि RBI को पता रहे कि इस समय कितनी करेंसी मार्केट में है।

४. नए नोट की खासियत -- 500 रुपए के नए नोट में आगे गाँधी जी का चित्र है तथा पीछे लाल किले का चित्र हैं।

५. पुराने नोट सेनए नोट की साइज़ अलग है।

६. नए नोट में सिक्योरिटी थ्रेड दिया है। इसमें भारत,RBI और दो हजार छपा हुआ है।

७. नए नोट को थोड़ा टेढ़ा करने पर थ्रेड का रंग हरे से नीला हो जाता है।

युगवीर जादमें

12 वी 'ब'

वर्ग पहेली

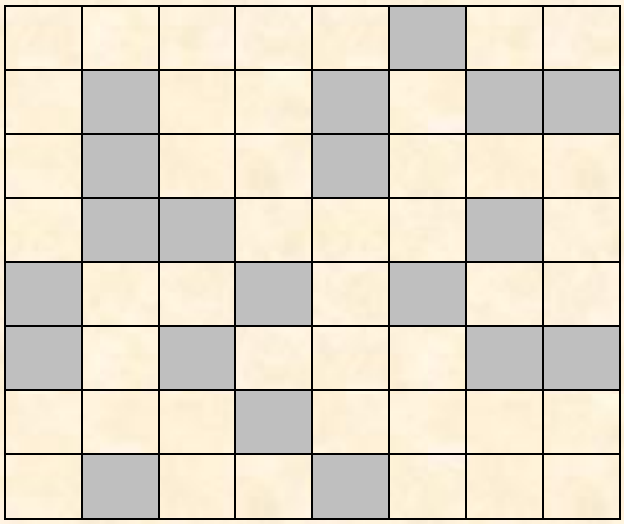

ऊपर से नीचे		बाए से दाए	
A	बड़े आकार का	A	ब्योरा ,विस्तृत जानकारी
D	दंड,श्रंगारित	B	हिलोर , तरंग
E	प्रत्येक, सभी	C	असरदार , प्रभावशाली
G	नस , नाड़ी		खतरा , रिस्क
H	झरोखा, छोटा दरवाजा	I	भजन , देवगीत
J	दया , करुणा	K	बाल काटना
L	आकाश , गगन	L	नया , न्यू
M	जानकारी का संग्रह	O	लोभ , प्रलोभन
N	हिमाचल प्रदेश की राजधानी	P	खौफ , डर
P	अंदाज लग जाना	Q	शिल्प , कौशल
R	तेग , शमशीर	S	प्रहार , हमला
U	मुनाफा , फायदा	T	युद्ध का पज़ल
V	पैर , पांव , पग		

युगवीर जादमें
12 वी 'ब'

मैथ्स क्रॉस पज़ल

नीचे दिए गए आसान-से मैथ्स के सवालों को हल कीजिए और जो संख्या आए उस स्पेलिंग से दी गई इस क्रॉस पज़ल को कंप्लीट कीजिए।

1) 77 + 22 = ☐

2) 108 ÷ 2 = ☐

3) 5 × 2 = ☐

4) 36 + 4 = ☐

5) 51 ÷ 3 = ☐

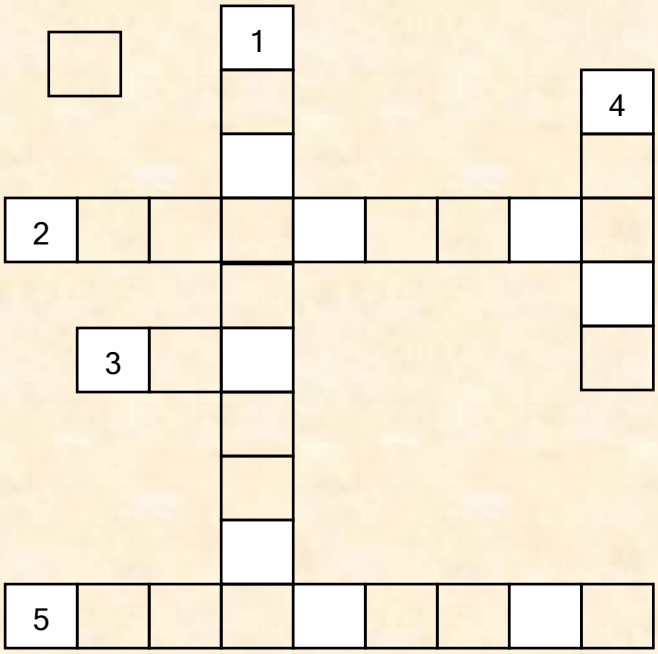

जलाइए दिमाग की बत्ती....

१. विश्व का सबसे ऊँचा पर्वत इनमें से कौन-सा है ?

(अ) अरावली (ब) हिमालय (स) विंध्याचल

२. माउंट एवरेस्ट की ऊंचाई कितनी है ?

(अ) 8848 मीटर (ब) 7000 मीटर (स) 4808 मीटर

३. सतपुड़ा पर्वत किस राज्य में है ?

(अ) उत्तर प्रदेश (ब) आन्ध्र प्रदेश (स) मध्य प्रदेश

४. गुजरात में इनमें से कौन-सा पर्वत है ?

(अ) विंध्याचल पर्वत (ब) नीलगिरि पर्वत (स) नागा पर्वत

उत्तर - १. (ब) २. (अ) ३. (स) ४. (अ)

ऋषी बाफना

12 वी 'ब'

पहेलियाँ

1. एक शरीर और एक सिर, उड़ने के लिए हैं पंख।
मुझे मारते इधर से उधर, चिड़िया नहीं हूँ मैं । **उ.- शटलकौक**

2. मुझ में है ज्ञान भंडार,बिना बोले में बांटा करता।
सभी पृष्ठों को रीढ़ पर थामता,मेरी रंगत पर मुझे न आँकना। **उ.-किताब**

3. मैं एक रंग हूँ,खास तरह का मसाला भी,
चावल में या खीर में डालो, कीमत मेरी बहुत ही ऊँची। **उ.- केसर**

4. कभी हरा तो कभी लाल,खा कर मुझे तुम होते लाल।
बड़े भाई को जब भुना जाता,यह देख छोटा डर जाता। **उ.- मिर्च**

युवराज सिंह ठाकुर
12 वी 'ब'

प्रश्न-उत्तर

1. 1980 के मास्को ओलिम्पिक में हॉकी का गोल्ड मैडल किस ने जीता था?
(क) भारत (ख) रूस (ग) यूऐसए (घ) पेरु **उ.- भारत**
2. इन में से किस भाषा को 5 विभिन्न लिपियों में लिखा गया है?
(क) हिन्दी (ख) तेलगु (ग) कोंकणी (घ)तमिल **उ.- कोंकणी**
3. भारत की पहली महिला मुख्यमंत्री कौन थी?
(क) इन्दिरा गांधी (ख) जयललिता (ग) सुचेता कृपलानी
उ.- सुचेता कृपलानी
4. कंबोडिया की मुद्रा कोंन-सी है?
(क) रुपया (ख) रियाल (ग) डॉलर **उ.- रीयाल**

युवराज सिंह ठाकुर
12 वी 'ब'

भारतीय झंडे का इतिहास

ब्रिटिश साम्राज्य को भारत से हटाने के लिए 1857 के विद्रोह को भारतीय स्वतन्त्रता की पहली लड़ाई के रूप में भी जाना जाता है। उस वक्त यह लड़ाई छोटे प्रांतो और साम्राज्यों के द्वारा लड़ी गई इस तरह एक स्वतंत्र देश का निर्माण हुआ। इसके बाद ही झंडे की जरूरत पड़ी।

7 अगस्त, 1906 को पहला भारतीय राष्ट्रीय झण्डा फहराया गया। यह झण्डा लाल, पीले और हरे रंग की तीन क्षैतिज पट्टियों से बना था जिस के बीच में वंदे मातरम लिखा था, जिसे कोलकाता के पारसी बामान चौक पर फहराया गया था।

अंग्रेजों से भारत की स्वतन्त्रता से कुछ समय पहले आखिरकार 22 जुलाई, 1947 को आयोजित भारतीय संविधान सभा के दौरान भारतीय झंडे को मौजूदा रूप में गहरे नीले रंग के चक्र के साथ अपनाया गया, इस चक्र में 24 तिल्लिया थी, इस के बाद 15 अगस्त 1947 को पंडित जवाहरलाल नेहरू के द्वारा लाल किले पर झण्डा फहराया था।

युवराज सिंह ठाकुर
12 वी 'ब'

काश, ज़िंदगी सचमुच किताब होती

काश, ज़िंदगी सचमुच किताब होती, पढ़ सकता मैं की आगे क्या होगा?
क्या पाऊँगा मैं और क्या दिल खोयेगा?कब थोड़ी खुशी मिलेगी? कब दिल रोयेगा?
काश, ज़िंदगी सचमुच किताब होती, फाड़ सकता मैं उन लम्हों को जिन्होंने
ने मुझे रुलाया है.....

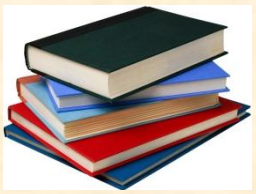

जोड़ता कुछ पन्ने जिनकी, यादों ने मुझे हँसाया है....
हिसाब तो लगा पाता कितना, खोया और कितना पाया है?
काश ज़िंदगी सचमुच किताब होती, वक्त से आंखे चुराकर पीछे चला जाता....
टूटे सपनों को फिर से अरमानो से सजाता।
कुछ पल के लिए मैं भी मुसकुराता, काश, ज़िंदगी सचमुच किताब होती।

प्राची त्रिवेदी
11 वी 'अ'

बस एक कदम और

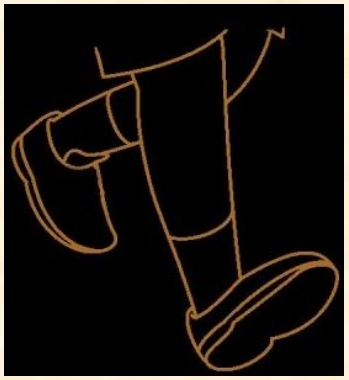

बस एक कदम और इस बार किनारा होगा,
बस एक नजर और इस बार इशारा होगा।
अंबर के नीचे उस बदली के पीछे कोई तो किरण होगी,
इस अंधकार से लड़ने को कोई तो किरण होगी,
बस एक पहर और इस बार उजाला होगा।
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा,
जो लक्ष्य को भेदे वो कही तो तीर होगा
इस तपती भूमि में कही तो नीर होगा,
बस एक प्रयास और अब लक्ष्य हमारा होगा,
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।
जो मंजिल तक पहुंचे वो कोई तो राह होगी,
अपने मन को टटोलो कोई तो चाह होगी,
जो मंजिल तक पहुंचे वो कदम हमारा होगा,
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।
बस एक कदम और इस बार किनारा होगा।

प्राची त्रिवेदी
11 वी 'अ'

सूरज का ब्याह {कविता}

उड़ी एक अफवाह, सूर्य की शादी होने वाली है,

वर के विमल भोर में मोती उषा पिरोने वाली है,

मोर करेंगे नाच, गीत कोयल सुहाग के गाएगी,

लता मंडप-वितान से वंदनवार सजाएगी,

जीव जन्तु भर गए खुशी से, वन की पांत-पांत डोली,

इतने में जल के भीतर एक वृद्ध मछली बोली,

सावधान जलचरों, खुशी में सबके साथ नहीं फूलो,

ब्याह सूर्य का ठीक, मगर तुम इतनी बात नहीं भूलो,

एक सूर्य के ही मारे हम विपद कम सहते हैं,

गर्मी भर सारे जलवासी करते-रहते हैं।

अगर सूर्य ने ब्याह किया, दस पाँच पुत्र जनमायेगा,

सोचो, तब उतने सूर्यों का ताप कौन सह पायेगा?

अच्छा है, सूरज कुँवारा है, वंशविहीन, अकेला है,

इस प्रचंड का ब्याह जगत की खातिर बड़ा झमेला है।

संकलित द्वारा

अक्षत राज पाठक

हमारा अनूठा संकल्प [व्यंग्य]

हर साल दशहरा आता है, हम रावण नया बनाएँगे,
कर्म भले ही दूषित हो,पर ऊंचा उसे बढ़ाएँगे,
राम सिमट गए एक अवध में, रावण नगर-नगर में है,
मर्यादा रह गयी त्रेता युग में, कटुता डगर-डगर में है,
त्याग ह्रदय से बाहर निकला, स्वार्थ सभी के शीश चढ़ा,
शील शांत हो पड़ा कहीं पर, दुराचार सर्वत्र बढ़ा,
यह प्रजातन्त्र है बहुमत के, नेता को विजय दिलाएँगे,
हर साल दशहरा आता है, हम रावण नया बनाएँगे,

अनुराग मुकती
12 वी 'अ'

भरोसे लायक मेंढक [व्यंग्य]

एक भारतीय, भारतीय मेंढको का व्यापारी, मेंढक बेचता था,
प्रतिवर्ष बगैर ढक्कन के पीपो में भरकर, भारतीय मेंढ़क, विदेशो को भेजता था, विदेशी व्यापारी हैरान था, भारतीय व्यापारी से मिलने को परेशान था,
संयोग से भारतीय व्यापारी मिला तो विदेशी बोला-क्यों भाई?
हम पर तो ठीक, पर मेंढको पर, एतबार करते हो?
बगैर ढक्कन के पीपो में भरकर, भारतीय मेंढक विदेशों को भेजते हो!
भारतीय व्यापारी बोला- मुझे मेरे मेंढको पर पूरा एतबार है,
एक-एक की टांग खींचने को, नीचे नौ-नौ तैयार है।

अनुराग मुकाती
12 वी 'अ'

जवाहरलाल नेहरू

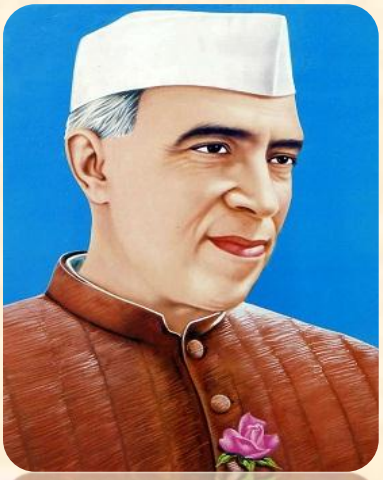

जवाहरलाल नेहरू (14 नवम्बर 1889 - 24 मई 1964) आजाद भारत के प्रथम प्रधानमन्त्री थे। बच्चों से उन्हें बेहद लगाव था। वे 'चाचा नेहरू' के नाम से जाने जाते हैं। उनकी बेटी इन्दिरा जब 10 वर्ष की थी।, नेहरू जी ने उन्हें अनेक चिट्ठियाँ लिखी। इनमें बताया गया है कि, पृथ्वी की शुरुआत कैसे हुई और मनुष्य ने अपने आप को कैसे धीरे-धीरे समझा-पहचाना। ये चिट्ठियाँ बच्चों में अपने आस-पास की दुनिया के बारे में सोचने-समझने और जानने की उत्सुकता पैदा करती हैं। नेहरू जी को अपने देश के बारे बोलने-बताने में विशेष आन्नद आता था। ये सभी चिट्ठियाँ 'पिता के पत्र, पुत्री के नाम' में संकलित हैं। 'संसार पुस्तक है'इसी पुस्तक से साभार लिया गया है। खास बात यह हैं कि ये पत्र नेहरू जी ने अंग्रेजी में लिखे थे और इनका हिन्दी में अनुवाद हिन्दी के मशहूर उपन्यासकार मुंशी प्रेमचन्द् ने किया है।

भाविका अवस्थी

10 'अ'

अंतिम आवाज

वे असीम-वैभव और अनंत-लक्ष्मी के उपासक थे या यों कहें कि वे लक्ष्मी के बिना कुछ नहीं थे। मगर एक रात, यही कोई 8 बजे, भूल से लगे एक समाचार चैनल की न जाने कौन सी खबर ने उनमें वैराग्य जगा दिया। उन्होंने किंकर्तव्यविमूढ़, बदहवास और विचलित होकर घर में यहाँ-वहाँ संचित लक्ष्मी को थैलों में भरना प्रारंभ कर दिया। वैभव अब मुंह चिढ़ा रहा था! लक्ष्मी आश्चर्यचकित थी! वे प्रश्न पूछने का साहस नहीं जुटा पा रही थी। तहखाना, पलंग, गददों के नीचे, सोफ़ों की गादी में, अलमारी के अंदर और सीलिंग के शांत इलाकों को अपना आश्रय मान बैठी लक्ष्मी का आज भ्रम टूट चुका था। थैलों को बेरहमी से उठा-उठाकर कार की डिक्की में ठूँसा जा रहा था। लक्ष्मी को लगा उपासक शायद अपने बुजुर्ग माँ-बाप की भांति मुझे भी वृद्धाश्रम छोड़ने जा रहा है। लेकिन मैंने किया क्या है? मेरे लिए इसने बुजुर्गों को छोड़ा, परिवार त्यागा और अब मुझे त्यागने पर तुला है। समझ नहीं पा रही थी लक्ष्मी। कार वेग से जा रही थी। डिक्की से सहमी सी आवाज आई- बेटा, मुझे कहा ले जा रहे हो? डपटते हुए बोला- चुप, आवाज नहीं निकालना। जब तक तेरा पक्का इंतजाम न कार दूँ। लक्ष्मी पक्का इंतजाम के मायने नहीं समझ पाई। लक्ष्मी ने सेवक का ऐसा रूप आज तक नहीं देखा था। 'आज तक' में उसने क्या देखा की कल सारी श्रद्धा भूल बैठा? व्रद्धाश्रम भी निकाल गया, अनाथाश्रम भी लेकिन कार के पहिये नहीं थमें। क्या मैं अघोषित हूँ? या नाजायज या अवैध? वैभवदात्री से भरे थैलों की गठान में कई प्रश्न बंधे हुए थे। अकस्मात रफ्तार थमी। डिक्की खुली। दूर-दूर तक सन्नाटा। ऊपर पुल था, नीचे नदी। गणेश, दुर्गा के बाद शायद मेरा भी विसर्जन तय है। जी चाहा पूछ लूँ-अपराध क्या है मेरा? पाप तेरे हैं प्रायश्चित मुझसे क्यों करवाया जा रहा है? इन्सानों-सी त्रासदी मुझे क्यों? मेरे लिए तू जग भूला और अब मुझे ही भूल रहा है? भय ने भक्त को बहरा बना दिया। अंततः सारे थैलों ने पुल से कूदकर आत्महत्या कर ली। चलन से बाहर हो चुकी लक्ष्मी की खनक में न स्वर होता है, न आवाज। वह चंचला थी। प्रवाह को नियति मान बही जा रही थी।

हिमांशी सिंह
10 'अ'

शिवाजी

शिवा तुम थे,
शिव-से अपनों के लिए गंगधार
शत्रु के लिए तीखी कटार,
तुम्हारी दोधारी ने हिन्दुत्व की रक्षा की,
मानियों का मान तोड़ा तुम सपूत थे
भारत माँ के निर्भयतापूर्वक स्वतन्त्रता से जीने का संदेश दिया
तुमने समूची मानवता को
छत्रपती!तुम्हारी गाथा है-
एक वीर की गाथा, एक सपूत की गाथा,
एक शिष्य की गाथा, एक भक्त की गाथा
गौरव गाथा भारत के अतीत की।

[यह कविता छत्रपती शिवाजी से ली गई है]

मधुर जवलकर
11 वी 'ब'

मध्यप्रदेश की संगीत विरासत

स्वतन्त्रता के लिए रणभेरी से लेकर विकास की मधुर तान तक की यात्रा, मध्यप्रदेश के गौरव और इतिहास की यात्रा है। यहाँ की मिट्टी, पत्थरों और हवाओ में वैभव की सुगंध विध्यमान है। प्रकृति की छटा देखकर जहां शब्द कविता बनकर बह निकले, उल्लास उमंग ने भावनाओं को झंकृत कर नृत्य को रचा, वही स्वर-आलाप ने अपने जादू से हृदयों को मंत्र-मुग्ध कर संगीत का संसार बनाया।

आराधना, साधना और प्रार्थना ने संगीत को संजीवनी बनाया। अतीत से वर्तमान तक मध्यप्रदेश अपने इतिहास में संगीत के कीर्तिमान स्थापित करता चला आ रहा है। संगीत की भक्ति से दीप जलाना और वर्षा कराना संगीत की साधना की विजय है।

संगीत की महिमा अनंत है। संगीत की शास्त्रीयता जहाँ साधना को महत्व देती है, वहीं उसकी मधुरता आत्मिक शांति और जीवन जीने की उमंग उत्पन्न करती है। संगीत में पगे गीतों को सुनकर जहाँ आदमी थिरक उठता है, वहीं करुणा में डूबकर आँसू बहाने पर विवश हो जाता है। संगीत जब जन-साधारण को प्रभावित करने लगता है। तब उसका सामाजिक महत्व बढ़ जाता है। इस संदर्भ में फिल्मी गीतों को विस्मरित नहीं किया जा सकता। 'ऐ मेरे वतन के लोगों.....' ऐसा गीत था कि जब इसे गाया गया तब प्रत्येक सुनने वाले व्यक्ति की आँखों में आँसू और हृदय में राष्ट्र के प्रति प्रेम व्याप्त था। इस गीत को इतने प्रभावित ढंग से गाया था स्वर कोकिला लता मंगेशकर ने ।

मध्य प्रदेश के इंदौर नगर में जन्मी लता मंगेशकर ने गायन कि यात्रा 1947 से प्रारम्भ की। उन्होने हर भाव, धर्म और भाषा के गीतों में अपने स्वरों को सँजोये, इसलिए वे समूचे राष्ट्र की गायिका हैं।

संगीत और मध्य प्रदेश एक दूसरे के पूरक लगते हैं। संगीत की चर्चा मध्य प्रदेश का उल्लेख किए बिना पूरी नहीं हो सकती। संगीत की कोई सीमा नहीं है। प्रदेश का हृदय भी विस्तृत है। विभिन्न कलाएँ यहाँ की मिट्टी में अंकुरित होकर पल्लवित होती रही हैं। संगीत का वटवृक्ष यहाँ स्वर-प्रेमियों को छाया और सहृदयजनों को सुरभि प्रदान कर रहा है।

"अच्छा साहित्य और संगीत मन को आनंद देता है"

राजनंदनी डावर
12 वी 'ब'

पहेलियाँ

१. खड़े रहें, नहीं करे सफर, देते सबको चैन मगर।
धूपछाँव का नहीं असर, कुछ जीवों का हैं ये घर। **{उ॰ - पेड़}**

२. रोज सबेरे डयूटी पर आता, शाम को अपने टाइम से जाता।
पता नहीं कहाँ पे ठिकाना, जल जाओगे पास न जाना। **{उ॰ - सूरज}**

३. नीला रंग कही न छोर, देखो घूम के चारों ओर।
इसी के कारण होए रात, इसी से निकले प्यारी भोर। **{उ॰ -आकाश}**

४. इसकी गोद में हम रहते,माँ भी हम इसको कहते।
सब कहते हैं ये है गोल, ये चीज बड़ी है अनमोल। **{उ॰ - पृथ्वी}**

५. दो अक्षर का नाम मगर, चलते रहना है काम।
बड़े-बड़े जीवों को इसकी, गोद में मिले आराम। **{उ॰ - नदी}**

पहेलियाँ

१. जामुन के जैसा दिखता है, मगर पेड़ पर नहीं है फलता।
बढ़िया सी खुशबू आती है, पर गुलाब से नहीं है रिश्ता।
रस में हरदम डूबा रहता, लेकिन फिर भी नहीं ऊबता।
जिसको भी मौका मिल जाए, वो खाने से नहीं चुकता। **उ॰ - गुलाब जामुन**

२. छोटी सी है फूली-फूली, गोल-मटोल बहुत लगती है।
बीच में इसके हॉल बड़ा सा, शक्कर में चिपटी रहती है।
बालू कहने से खुश होती, मगर रेत का काम नहीं है।
शाही खानदान से आई, पर घमंड का नाम नहीं है। **उ॰ -बालूशाही**

३. गोल-गोल चक्कर सी बनती, एक दम भूल-भुलैया लगती।
जंतर-मंतर जैसी दिखती, मीठे रस में फूली रहती।
कई तरह के स्वाद में बनती, सुबह-सुबह ये जमकर छनती।
भारत की प्राचीन मिठाई, दुनिया भर के मन को भायी। **उ॰ - जलेबी/इमरती**

४. काजू और बादाम पीसकर, दूध और शक्कर में खौलाते।
क़ैसर पिस्ता का रंग देकर, परत मलाई की चढ़वाते।
रबर के जैसी नरम मुलायम, मस्त मिठाई जमकर खाना।
लेकिन पहले नाम बताओ, फिर मूंह में पानी ले आना। **उ॰ -रबड़ी**

५ . दिखने में यह लगता ऐसा, गोल-गोल लट्टू के जैसा।
तरह-तरह के स्वाद में आता, हम सबका यह मन ललचाता।
बेसन या मावे से बनता, पूजा की थाली में सजता।
वेद पुराण से इसका नाता, गणपती बप्पा को यह भाता। **उ॰ -लड्डू ।**

क्यारी एक बनाऊँगी

अपने आँगन में फूलों की, क्यारी एक बनाऊँगी।
रंग-बिरंगे फूल हजारों, उसमें खूब लगाऊँगी।
आसमान के तारों का दल, इसे देखने आएगा।
और चाँद भी गुपचुप-गुपचुप इसे देख ललचाएगा।
मधुर चाँदनी की चादर में, अपने हाथ बिछाऊंगी।
लाज-शरम में दुबकी-सहमी, कलियाँ भी मुस्काएंगी।
ठुमक-ठुमक नाचेंगी तितली, कोयल गाना गाएँगी।
मुग्ध हुई मैं झूम-झूम कर, ताली खूब बजाऊँगी।
सारे जग पर फूल लुटाऊँ, खुशबू घर-घरबिखराऊँ।
बगिया की अनमोल छटा पर, बार-बार मैं इतराऊँ।
परी लोक से परियों को मैं, अपने द्वार बुलाऊँ।
नफरत, हिंसा, भेदभाव और फूट जगत में फैली है।
इन सबकी दुर्गंध विश्व ने सालों-साल झेली है।
आज विश्व में प्रेम-भाव की, खुशबू मैं फैलाऊँगी।।

चित्रांशी शर्मा
11 वी 'अ'

पहेलियाँ

१. किसी को कुछ ले जाने न दूँ, उल्टाकरो तो लाता हूँ।
चोरों को मैं वापस भेजूँ, अपनों से खुल जाता हूँ।

उ.- ताला

२. गर्मी से मैं तुम्हें बचाता, न हूँ एसी न हूँ छाता।
न फ्रिज न मटका हूँ, छत पे उल्टा लटका हूँ।

उ.- पंखा

३. एक दूजे के साथी हम, साथ ही आएँ-जाएँ ।
एक दूजे से बिछड़े तो, फिर कोई काम न आएँ ।

उ.- जूते

४. छाया, फल, लकड़ी, फूल, सावन के झूले मुझ पर झूल।
सारे एहसानों को भूल, मुझको काटे वो है फूल।

उ.- वृक्ष

५. जलता हूँ पर बल्ब नहीं, बुझता हूँ पर दिया नहीं।
उड़ता हूँ पर पंछी नहीं, बिजली से मैं चलता नहीं।

उ.- जुगनू

चित्रांशी शर्मा
11 वी 'अ'

दिमागी कसरत

१. एक लाठी की सुना कहानी, इसमे छिपा है मीठा पानी।

उ.- गन्ना

२. कश्मीर निवासी फल मजेदार, खाये मुझे जो वह नहीं पड़े बीमार।

उ.- सेब

३. ऐसी कौन सी चीज है,जो लोग मुफ्त में बाँटते हैं ।

उ.- सलाह

४. राम की माँ के चार बेटे थे, एक का नाम एक रुपया, दूसरे का नाम दो रुपया, तीसरे का नाम तीन रुपया और चौथे का नाम क्या होगा?

उ.- राम

५. सफ़ेद तन हरी पूंछ न बूझे तो नानी से पूछ।

उ.- मूली

६. तीन पैर की चम्पा रानी शाम-सवेरे नहाए,
चावल दाल को छोड़कर कच्ची रोटी खाए।

उ.- चकला-बेलन

७. आदि कटे तो कीमत, खाए जो उसको हिम्मत।
बीच कटे तो दवा, सिर दर्द हो जाए हवा।

उ.- बादाम

८. तीन अक्षर का मेरा नाम, उल्टा सीधा एक समान।
मोल चमक से आँका जाए, निकट रखो धनवान।

उ.- कनक

मेले में ले जाओ ना

मेरे प्यारे पापा मुझको, मेले में ले जाओ ना,
बाल दिवस का प्यारा मेला मुझको भी दिखलाओ ना।
मेला जिसमे भीड़-भड़्क्का, और जहाँ पर धक्कम-धक्का,
जो भी मेले में आता है,वह रह जाता हक्का-बक्का।
प्यारे पापा मुझको अपनी, उंगली तुम पकड़ाओ ना।।
मैं खाऊँगी चाट-पकौड़ी, लड्डू,बर्फी और कचौड़ी,
जो भी चीज नजर आ जाए, वही खरीदूँ थोड़ी-थोड़ी।
एक बरस में आया मेला, खर्च से ना घबराओ ना।।
मेले में रंगीन दुकाने और खिलौने जाने-माने,
कहीं शिवाजी की मूरत है, कहीं भगतसिंह की मुछे ताने।
एक मुझे तस्वीर जवाहर, चाचा की दिलाओ ना।।
आपस के मतभेद भुलाए, भाई-भाई को गले लगाएँ,
हम सब नन्हें बच्चे मिलकर, अपना हिंदुस्तान सजाएँ।
आ गुलाबों की धरती के, कण-कण को महकाओ ना।।
इस धरती की धूल उठाओ और भाल पर उसे सजाओ,
वीर जवाहर की जय-जय से, तुम सारा संसार गुंजाओ।
चाचा नेहरू के चरणों में, चन्दन हार चढ़ाओ ना।।

मेघा सोलंकी
10 वी 'अ'

ऐसी होली मने

प्रेम भाव के रंग बिरंगे, पिचकारी की धार,
ऐसी होली मने देश में, यारों अबकी बार।
आपस की ये फूट हमारी, और भावना विघटनकारी,
ये हमको कमजोर बनाएँ, इन्हें जला दे बारी-बारी।
आँगन-आँगन में बिखरा दें, रंग बिरंगा प्यार।।
टेसू की केसरिया चोली, ये अबीर है, या फिर रोली,
ढ़पली और मजीरे के स्वर, बोल रहे ममता की बोली।
ममता के इस आमंत्रण को, आज करो स्वीकार।।
पाँव-पाँव में थिरकन भर दो, मतभेद का मर्दन कर दो,
जिन होंठो पर बोल नहीं हैं, उन्हे प्यार के मीठे स्वर दो।
इस होली पर प्यार मोहब्बत ही, सच्चा उपहार।।

मेघा सोलंकी
10 वी 'अ'

वैभव खूब उतारा है

इन्द्र धनुष के रंगो जैसा, प्यारा देश हमारा है,
और यहाँ का बच्चा-बच्चा जैसे चाँद-सितारा है।
झरने गाते गीत सुहाने, नदियां नर्तन करती हैं,
मस्त हवाए मंद सुरों में, इसका वंदन करती हैं।
तृप्ति लुटाता इस धरती का, हर अनमोल नजारा है।।
यहाँ घुटियों में माताएँ, शिशु को शौर्य पिलाती है,
गौरवमय इतिहास हमारा, निसदिन याद दिलाती है।
स्वयं प्रकृति ने अपने हाथों, इसको खूब संवारा है।।
हल की नोक यहाँ धरती पर, वंदे मातरम लिखती है,
और खेत की हरियाली में,छटा स्वर्ग की दिखती है।
यहाँ विधाता ने हर आँगन, वैभव खूब उतारा है।।
जाति, धर्म और संस्कृतियों में, यहाँ विविधता फैली है,
किन्तु विविधता की छाया में,सदा एकता खेली है।
एक दूसरे को सुख-दुख में, हमने सदा पुकारा है।।

मेघा सोलंकी
10 वी 'अ'

पहेलियां

१. हरा आटा लाल पराँठा सखियों ने मिलकर बाँटा बताओ मेरा नाम?

उ. - मेहंदी

२. साथ-साथ में जाती हूँ, हाथ नहीं आती हूँ?

उ.- परछाई

३. मेरा भाई बड़ा शैतान, बैठे नाक पर पकड़े कान।

उ.- ऐनक

४. आगे-आगे बहना आई, पीछे-पीछे भइया,
दाँत निकाले बाबा आए, बुरका ओढ़े मईया?

उ.- भुट्टा

५. सिर पर पत्थर पेट में अंगुली?

उ.- अंगूठी

६. दो किसान लड़ते जाए उनकी खेती बढ़ती जाए?

उ.- स्वैटर की बुनाई

७. एक थाल मोती से भरा सबके सर पर उल्टा धरा
चारों और फिरे वो थाल मोती उससे एक ना गिरे।

उ.- तारे

८. हरी थी मन भरी थी नो लाख मोतियों से जड़ीं थी,
राजा जी के खेत में दुप्पटा ओढे खड़ी थी।

उ.- भुट्टा

९. चार और चार मिलकर कब, आठ से अधिक बनते हैं?

उ.- 44

१०. बिन छुए सब खाते, खाकर सब पछताते हैं
बोलो ऐसी चीज है क्या कहते हुए सब शर्माते हैं।

उ.- धोखा

११. एक रुमाल के कोने चार, एक काटो बने कितने यार

उ.- पांच

१२. पाँच अक्षर का मेरा नाम उल्टा पुल्टा एक समान

उ.- मलयालम

१३. बीसों का सिर काट दिया, न मारा न खून दिया

उ.- नेल कटर

स्वच्छ भारत अभियान

स्वच्छ भारत अभियान भारत सरकार द्वाराचलायी गयी एक स्वच्छता मिशन है, यह अभियान 2 अक्टूबर 2014 को महात्मा गांधी जी के 145 वे जन्मदिन के अवसर पर भारत सरकार की और से अधिकारिकतौर पर शुरू किया गया था। यह राजघाट, नई दिल्ली जो की महात्मा गांधी का अंतिम संस्कार का स्थान है, से शुरू किया गया था। भारत सरकार 2 अक्टूबर 2019 तक भारत को स्वच्छ भारत बनाने का उद्देश्य रखा है जो की महात्मा गांधी की 150 वीं जयंती होगी।

यह एक राजनीति मुक्त अभियान है और देशभक्ति से प्रेरित है। यह प्रत्येक व्यक्ति के लिए एक ज़िम्मेदारी है और इस अभियान को सफल बनाने के लिए विश्व स्तर पर लोगों ने पहल की है। शिक्षक और स्कूल के छात्र इसमें पूर्ण उत्साह और उल्लास के साथ शामिल हो रहे हैं। और 'स्वच्छ भारत अभियान'को सफल बनाने का प्रयास कर रहे हैं ।

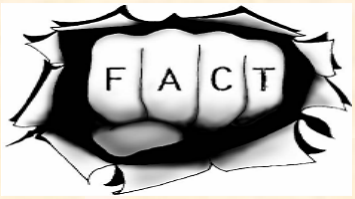

रोचक तथ्य

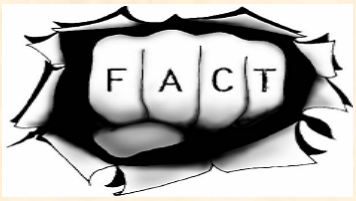

- पेंग्विन के शरीर में खारे पानी को स्वच्छ जल में बदल देने की अदभुत क्षमता होती है।
- हर साल विश्वमें लोग अपने पालतू कुत्तों और बिल्लियों की खुराक पर करीब 3 लाख 59 अरब रूपये खर्च कर देते हैं।
- बिल्लियाँ अपनी पूंछ की लंबाई से 7 गुना ज्यादा ऊँचाई तक कूद सकती हैं।
- इस धरती पर जितनी संख्या मनुष्यों की है, उतनी ही संख्या मुर्गों की भी है।
- ज़्यादातर गायें गाना सुनते हुए अधिक दूध देती हैं ।
- डायनासोर ने खत्म होने से पहले धरती पर लगभग 16.5 करोड़ साल तक राज किया।
- जिराफ घोडों से तेज भाग सकते हैं और ऊँट से ज्यादा दिनों तक बिना पानी पिये रह सकते हैं ।
- जिराफ एक दिन में 20 मिनट सोते हैं ।
- शेर 2 साल की उम्र तक दहाड़ नहीं सकते।

भावना मंडलोई

11 वी 'अ'

रोचक तथ्य

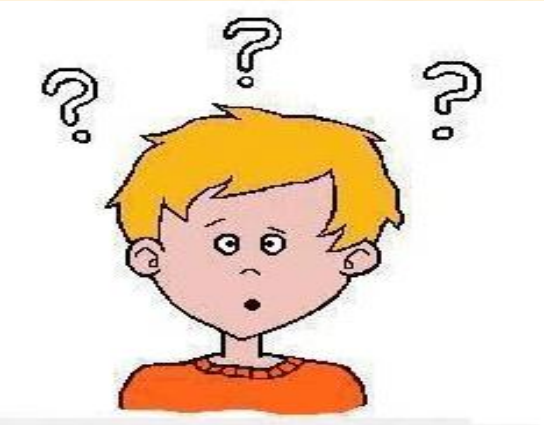

❄ हाथी अपनी सूंड में 5 लीटर तक पानी रख सकता है।

❄ व्हेल मछली उलटी दिशा में नहीं तैर सकती।

❄ टिड्डे का खून सफ़ेद रंग का होता है।

❄ घोड़े खड़े-खड़े ही नींद लेते हैं ।

❄ व्हेलमछली का हृदय एक मिनट में 9 बार धड़कता है।

❄ स्पेंन के राष्ट्रगान में कोई शब्द नहीं है।

❄ धरती पर चींटियों का बोझ 1 विलियन टन है।

❄ गरम पानी ठंडे पानी से भारी होता है।

❄ मोमबत्ती की ज्वाला में छोटे-छोटे हीरे रहते हैं ।

❄ धरती के 80% जीव कीड़े मकोड़े हैं ।

❄ फूलों को संगीत सुनाया जाए तो वो जल्दी बढ़ते हैं ।

❄ गोल्ड फिश अपनी आंखे कभी भी बंद नहीं कर सकती।

❄ दरयाई मछली पानी में तैर, जमीन पर चल और हवा में उड़ सकती है।

❄ दुनिया में 6800 अलग-अलग भाषाएँ है।

प्रांजल बघेल

11 वी 'अ'

हेलेन केलर

हेलेन केलर {1880-1968, अमेरिका}एक ऐसा नाम है जो घोर अंधकार के बीच भी रोशनी देता रहा कल्पना करो की जो न सुन सकता हो, न देख सकता हो फिर भी वह लिखना-पढ़ना और बोलना सीख ले, भरपूर आशा-आकांक्षा के साथ जीवन जीने लगे और उसके योगदान दुनिया के लिए यादगार बन जाएँ। ऐसी थी हेलेन केलर। जब वे डेढ़ वर्ष की थी बचपन की एक गंभीर बीमारी की वजह से उनकी देखने और सुनने की शक्ति जाती रही, लेकिन उन्होने हार नहीं मानी। कॉलेज के दिनों में ही प्रकाशित अपनी आत्मकथा 'स्टोरी ऑफ लाइफ' में वे लिखती हैं।-"मुझे ये तो याद नहीं की ऐसा कैसे हुआ, और सुबह क्यों आती।" दुनिया को सभी भाषाओं में इस किताब के अनुवाद हुए हैं। इसके अलावा भी उनकी दस पुस्तकें और विश्वशांति के लिए काम किया। हेलेन केलर भारत भी आई थी।

ईशिता यादव
9 वीं 'अ

आओ फिर से दिया जलाएँ

भरी दुपहरी में अंधियारा, सूरज परछाई से हारा,
अंतरतम का नेह निचोड़े, बुझी हुई बाती सुलगाएं,
आओ फिर से दिया जलाएँ।
हम पहाडों को समझे मंज़िल,
लक्ष्य हुआ आँखों से ओझल।
आने वाला कल न भुलाएँ,
आओ फिर से दियाजलाएँ।
आहुती बाकी यज्ञ अधूरा,
अपनों के विघ्नों ने घेरा।
अंतिम जय का वज्र बनाने-
नव दधीचि हड्डियाँ गलाएँ।
आओ फिर से दिया जलाएँ।

“श्री अटल बिहारी बाजपेयी”

ऋषभ तडवाल

10 वी ‘अ’

प्रकृति

बागों में जब बहार आने लगे,
कोयल अपना गीत सुनाने लगे।
कलियों में निखार छाने लगे,
भँवरे जब उन पर मंडराने लगे।
मान लेना वसंत आ गया,
रंग बसंती छा गया।
खेतों में फसल पकने लगे,
खेत खलिहान लहलाने लगे।
डालों पे फूल मुसकाने लगे
चारोंऔर खुशबू फैलाने लगे।
मान लेना वसंत आ गया
रंग बसंती छा गया।

माही बुंदेला

10 वी ‘अ’

वृक्ष

वृक्ष धरा का भूषण है, वह प्रतिपल नूतन आभूषण है।
जन-जन का यह जीवनदाता, देश का है यह भाग्य विधाता।
पानी को यह संचित कर, सृष्टि को नवजीवन देता।
प्राणीमात्र का जीवनदाता, पशु-पक्षी का शरणदाता।
यह है अदभुत त्यागी-बलिदानी, अचरज करते ऋषि-मुनि ज्ञानी।
इसके त्याग की कहानी, गाते सुनाते जन-मन वाणी।
यह अनुपम धरोहर है राष्ट्र की, इसे सहेजो प्राण त्याग कर।
यदि तुम इसे सहेज पाओगे, सृष्टि के संरक्षक कहलाओगे।।

अदिति सिसोदिया
10 वी 'अ'

माँ

खेल-खेल कर बड़ी हुई माँ, तेरी गोद में।
तूने अपना खून पिलाया दूध की सूरत में।
माँ,तू कितनी प्यारी-प्यारी
थोड़ी दूध-मलाई खाई।
फिर भी तुझको भूल न पाई,
माँ, तू कितनी अच्छी है।
माँ, तू कितनी सच्ची है,
माँ, में आदर से कह सकती हूँ।
की में आज भी तेरी बच्ची हूँ।

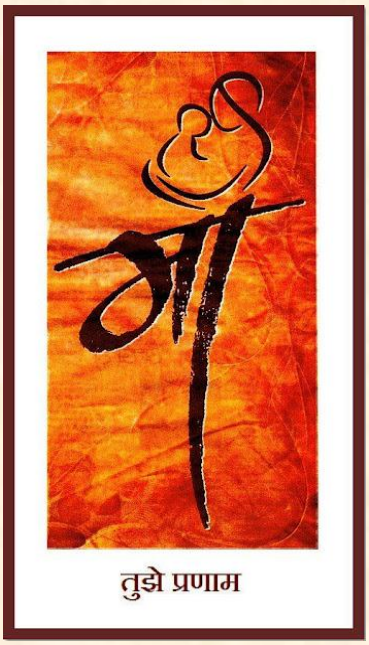

तमन्ना ठाकुर
10 वी 'अ'

पर्यावरण

चिड़ियों को चहचहाने दो, भौंरों को गुनगुनाने दो,
हरे-भरे वृक्षों को तुम मत काटो, उन्हें भी विकसित होने दो।
पेड़ यदि काटोगे तुम, कुछ नहीं पाओगे तुम,
ज़िंदगी यही थम जाएगी, जब कोई आपदा आएगी।
पानी नहीं बरसेगा अब, नहीं काली घटा छाएगी,
वृक्ष नहीं होंगे जहां, वहाँ आपदा तो आएगी।
आपदा को नहीं आने देना है, एक वृक्ष तो हमें लगाना है,
अगर सब लोग यह कसम खाएं वृक्ष लगाने में उनका क्या जाए।

"स्वामी विवेकानंद"

पूजा बोरियाला
10 वी 'अ'

निबंध- स्वतन्त्रता दिवस

1. स्वतन्त्रता दिवस 15 अगस्त को मनाया जाता है।
2. 15 अगस्त 1947 को हमारा देश अंग्रेज़ो की गुलामी से आजाद हुआ था।
3. स्वतन्त्रता दिवस पूरे देश भर में मनाया जाता है।
4. सभी विद्यालयों में ध्वजारोहण किया जाता है और राष्ट्र भाषण दिये जाते है।
5. हर स्थान पर सुबह ध्वजारोहण के बाद रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन होते है।
6. भारत के प्रधानमंत्री ध्वजा फहराकर देश वासियो को राष्ट्र के नाम संदेश देते है।
7. 15 अगस्त के दिन प्रभात फेरियाँ निकाली जाती है।
8. सभी विद्यालयो में मिठाइयाँ वितरित होती है।
9. स्वतन्त्रता दिवस पर मुख्य समारोह दिल्ली के लाल किले पर आयोजन किया जाता है।
10. 15 अगस्त का दिन देश की स्वतन्त्रता या आजादी की खुशी में रोशन किया जाता है यह दिन हमे देश की रक्षा के लिए प्रेरित करता है।

जानवी चौहान
11 वी 'अ'

भारत में आतंकवाद

आतंकवाद न केवल हमारे देश में बल्कि दुनिया के सभी देशों में किसी न किसी रूप में एक चिंता का विषय है। भारत में इस समस्या ने समय-समय पर अनेक घाव दिए हैं तथा इसने हमारी आर्थिक, सामाजिक,राजनैतिक एवं सांस्कृतिक स्थितियों पर दूर तक प्रभाव डाला है। हिंसा द्वारा जनता में आतंक फैलाकर अपनी शक्ति का प्रदर्शन करना तथा अपने स्वार्थ के लिए धन एवं सत्ता पर अधिकार प्राप्त करना ही आतंकवाद का प्रमुख लक्ष्य रहा है। भारत के पंजाब जम्मू-कश्मीर, असम, तमिलनाडु, उत्तरप्रदेश, बिहार आदि राज्यो में आतंकवाद ने बार-बार जनजीवन को त्रस्त रखा है। भारत के पड़ोसी देशों ने भी इस समस्या को उभारने में अवांछनीय कार्य किया तथा इससे भारत के राजनयिक संबंधों में भी तनाव आया है दरअसल आतंकवाद हमारे आज के चिंतन का प्रमुख विषय है। आतंकवाद से अर्थ है कुछ व्यक्तियों एवं समूहों के द्वारा किसी की निजी अथवा सार्वजनिक संपत्ति एवं नागरिकों के विरुद्ध किया जाने वाला ऐसा जघन्य आपराधिक कार्य जो इन व्यक्तियों द्वारा अपनी मांगों को पूरा करने के लिए किया जाता है। यह भी देखा जाता है की जब कभी किसी प्रदेश का प्रशासन आतंकवाद के विरुद्ध कमर कस लेता है तो आतंकवाद का सफाया भी होने लगता है इसलिए आतंकवाद को रोकना जरूरी है।

अभिजीत गिरवाल

12 वी 'अ'

निबंध- कम्प्युटर

प्रस्तावना- विज्ञान ने मनुष्य को अनेक प्रकार की सुविधाएँ दीं उन सुविधाओं में कम्प्युटर का विशिष्ट स्थान है कम्प्युटर के प्रयोग से किसी भी कार्य को अतिशीघ्र किया जा सकता है आज के युग में कम्प्युटर सर्वाधिक लोकप्रिय है।

कम्प्युटर क्या है?- कम्प्युटर एक इलेक्ट्रानिक मशीन है जो तीव्र गति से कम समय में अधिक से अधिक काम कर सकता है इसकी तुलना दूसरे यंत्र से करना संभव नहीं है।

कम्प्युटर के जनक- चाल्स वैबस कम्प्युटर के जनक है वे सबसे पहले व्यक्ति है जिन्होने 19वीं शताब्दी में सबसे पहला कम्प्युटर बनाया कम्प्युटर द्वारा की जाने वाली गणना के लिए एक विशेष भाग में निर्देश दिये जाते हैं।

कम्प्युटर के उपयोग- आज प्रत्येक क्षेत्र में कम्प्युटर ने कार्य को सरल बना दिया है कम्प्युटर डिजाइन तैयार करने व कराने आदि कार्यों में काम आता है।

उपसंहार- कम्प्युटर का प्रयोग पहले कम होता था परंतु धीरे-धीरे महत्व बढ़ गया मनुष्य को इसका प्रयोग एक सीमा तक ही करना चाहिए ताकि मनुष्य इसका आदि न हो सके व अपनी क्षमता बनाएँ रखे।

जानवी चौहान

11 वी 'अ'

निबंध – महात्मा गांधी

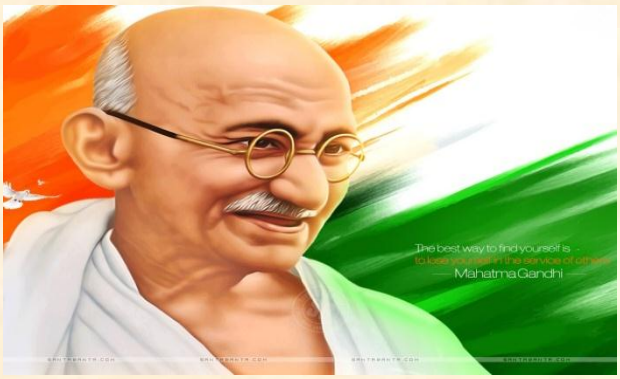

प्रस्तावना- गीता में कहा है की जब-जब धरती पर धर्म की हानि होती है तो कोई महापुरुष जन्म लेता है। महात्मा गांधी भी ऐसे महापुरुष थे।

जीवन परिचय- महात्मा गांधी का जन्म 2 अक्टूबर 1869 को गुजरात में पोरबंदर नामक गाँव में हुआ था उनके पिता का नाम करमचंद् गांधी था और वे पोरबंदर राजकोट के दीवान थे गांधी जी का पूरा नाम मोहन दास करमचंद् गांधी था उनकी माता का नाम पुतली बाई थी। वे धार्मिक महिला थी गांधी जी अपने माता-पिता के आदर्शों का ध्यान रखते थे। 9 वर्ष की कस्तूरबा से उनका विवाह कर दिया गया।

शिक्षा- गांधीजी की शिक्षा सामान्य रूप में हुई है। अपनी हाई स्कूल की परीक्षा पास कर लेने के बाद वे कानून की पढ़ाई के लिए हम्लेटम कानून की परीक्षा पास कर वापस मुम्बई से राजकोट चले गए।

देश-सेवा- भारत में भी गांधीजी ने सक्रिय रूप में देश सेवा में भाग लेना प्रारम्भ कर लिया 1914 में प्रथम विश्व युद्ध होने की आशंका होने लगी 1919 में अमृतसर में जालियांवाला बाग हत्याकांड कर दिया।
गांधीजी ने सन 1920 में असहयोग आंदोलन शुरू किया,कई बार अहिंसक आंदोलन किए और कई बार जेल गए गाँधी जी भारत देश के राष्ट्रपिता थे अंग्रेज़ो ने महात्मा गाँधी के सामने हथियार डाल दिए। 1948 में एक सिरफिरे व्यक्ति नाथुराम गोडसे ने गोली मार दी और गांधी जी अमर हो गए।

जानवी चौहान

11 वी 'अ'

रंग धारा

Bhakti Porwal 6th A

Surbhi Dodiyar 5thA

Keshav Parmar 11th B

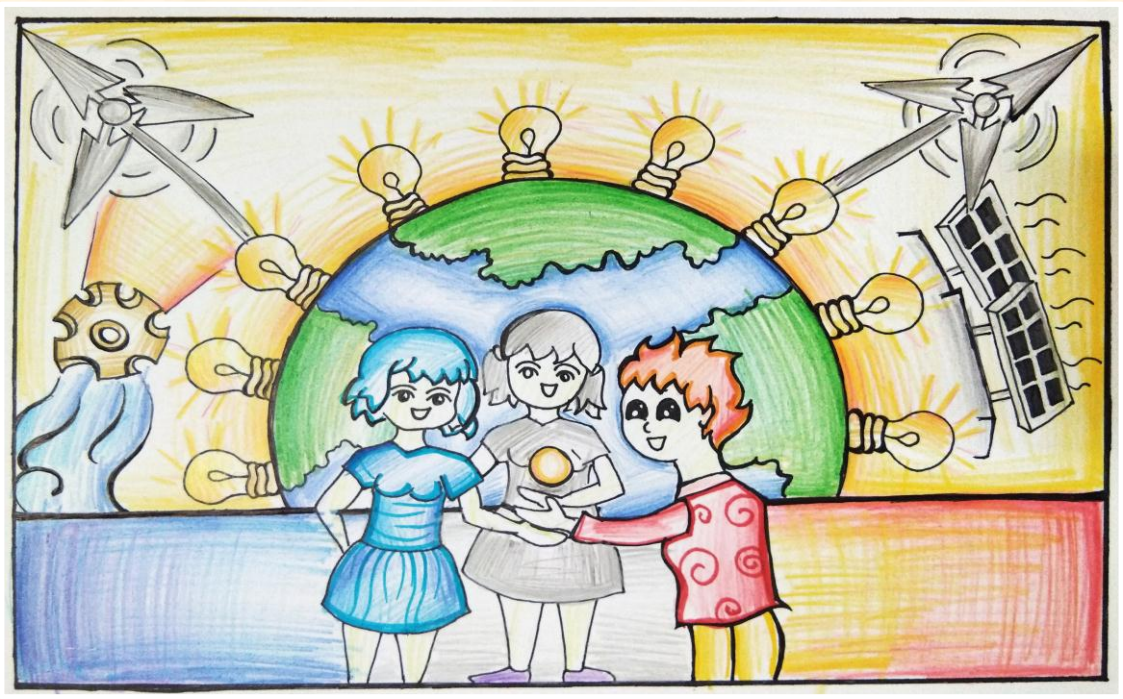

Prachi Trivedi 9th A

Himanshi Solamki 8th A

Pranjal Sharma 8th B

Himanshi Mandaloi 7th B

Gitanjali Patel 9th A

Aditya Mandloi

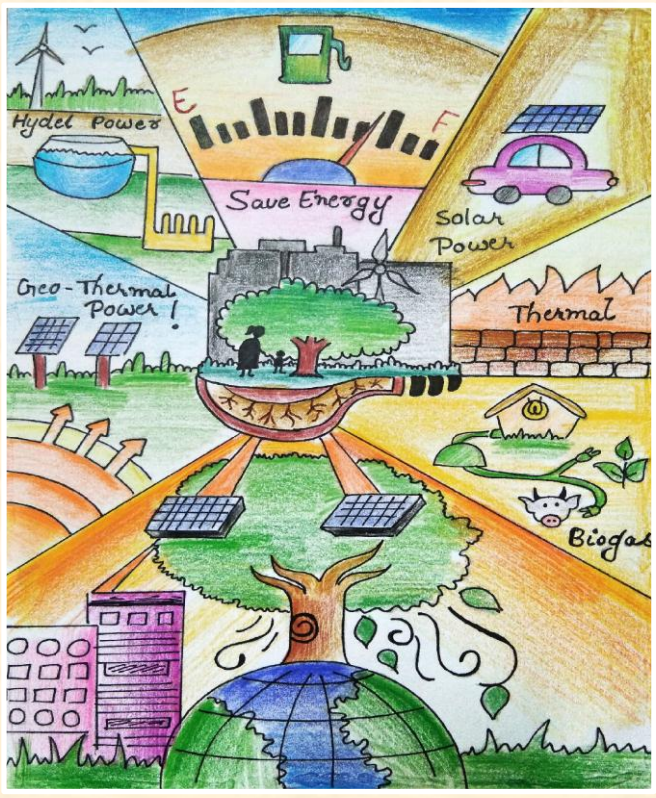

Megha Solanki 9th A

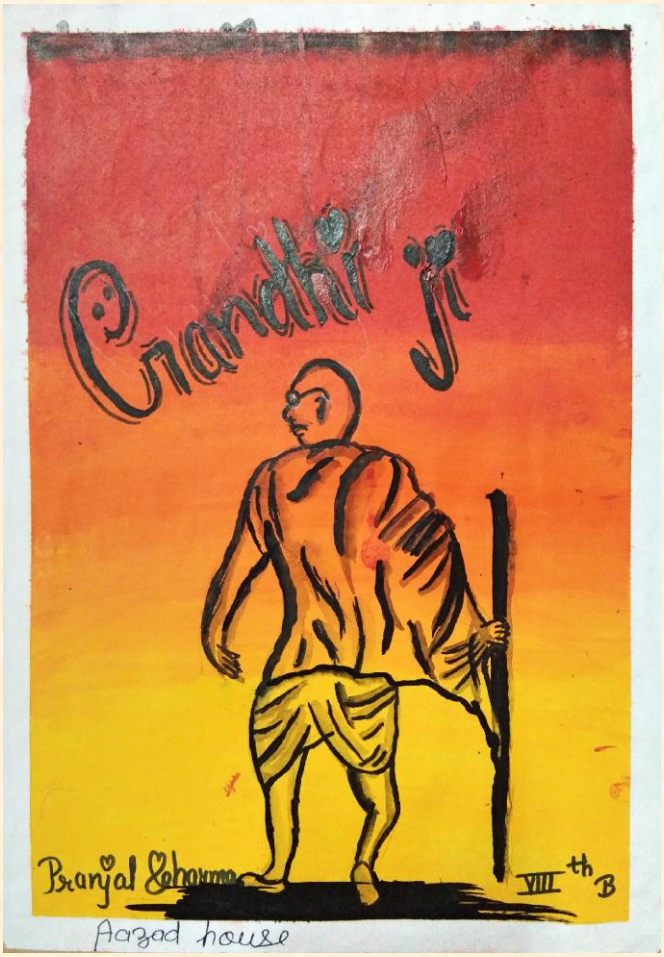

Pranjal Sharma 8th B

Disha Sonane 8th B

Patriotism

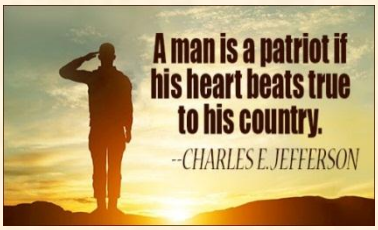

Once love, faith, worship and feelings of belongingness towards the place where he/she is born is Patriotism. Life is of no worth. It is only a waste. It is one of the best feelings found in human ever. Sacrifice is also a very important aspect of patriotism. The patriotic love is so deep rooted that it develops a desire above all other ambitions, that is to serve nation and for its wellness, one can sacrifice anything.

Patriotism doesn't means only to become a soldier and fight on the borders to secure the country. It has very broad meaning. It demands us to become a law-abiding, educated, good citizen who respects the nation, good human resources for the country, causing its development and a person, responsible towards duties of nation. Patriotism has different meanings for different peoples in different situations. For instance, a child of five, who doesn't know about patriotism ever, sings our NATIONAL ANTHEM and NATIONAL SONG respectfully in attention position. What is this? This is patriotism. If a person saves our Flora & Fauna, Culture, Paper, Electricity, Water etc. and also recycles the recyclable waste, and then what is this? This is patriotism

Now a day, many people are making vulgar jokes on Bharat and vile versions of patriotic songs which are the worst misuse of our fundamental rights and are intolerable for the nation. Some extra-intelligent people don't find their place in Bharat, but in the so called "Rich Countries" which just use the Indian Talent for their development and the people who are going there want more and more name and fame. Many people compose our compare our country with others and make out abominating comments without thinking about their contributions for the nation once ever.

But this is only one aspect or the negative aspect of patriotism and all the people practicing such things should be thrown out of our society for a better future of Bharat. Patriotism must become a way of life. All the materialistic gains have no value before patriotism. Patriotism is above and should be always kept away from dirty politics, caste, religion, relations and the discrimination, because we have uncountable dues to pay to our motherland which has given and definitely would give every time home, food, clothes, and all fundamental attributes of life.

At last, I just salute all those great Indian who serve our Country for its better future…..

"LET YOUR HEART OVERFLOW WITH LOVE FOR NATION AS IT IS THE ONE THAT FEEDS ALL OUR NEEDS."

Our Gift of God

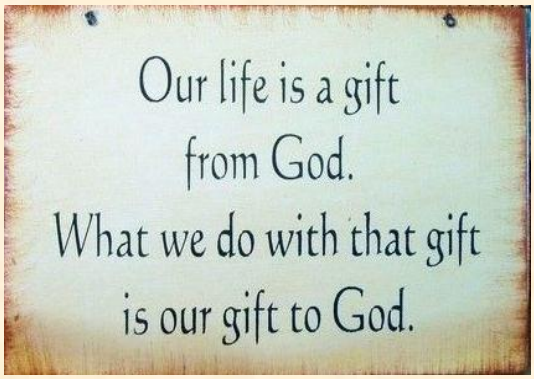

Life is very long, and we have to live it.

Life is like a tackle, which always bring a lot of happiness and sadness with it.

Life is like a season, which always changes its moods.

After some time, goodness will all around.

Life is like a Solar System, in which everyone plays an important role.

Life is like……..

Teacher & Honesty

TEACHER	HONESTY
T- Trained	H- Humble
E- Educated	O- Ornate
A-Active	N- Noble
C- Character	E- Elegant
H- Honest	S- Sincere
E- Essential	T- Trustworthy
R- Regular	Y- Youthful

VIJAY BHABHAR

12TH 'B'

The World is Too Much with Us

The world is too much with us, late and soon.

Getting and spending, we lay waste our powers.

We have seen in nature that is ours.

We have given our hearts away, a sordid boon.

This sea that bears her bosom to the moon;

The winds that will be howling at all house,

And are up-gathered now like sleeping flowers;

For this, for everything, we are out of tune;

It moves us not-great God I'd rather be.

A pagan suckled in a creed outworn,

So might, I, standing on this pleasant lea,

Have glimpse that would make me less forlorn;

Have sight of protease rising from the sea;

Or hear old Triton blow his wreathed.

By:-WILLIAM WORDSWORTH

GJENDRA GOKHALE

10TH 'B'

Stag's Story

Stag by the side of a pond. Stag sees his image in water of the pond and says, 'how beautiful my horns are! But my legs are so thin and ugly' and then hunters came and the stag run for his life. Stag hide in the branches. Branches are too close and his horns got stuck in the branches and then with great struggle stag came out from branches.

Earlier stag was proud of his horns. They could have caused death and he ashamed of his legs but they saved stag.

ADITYA MANDLE

9TH 'B'

Story of History

Once upon a time there was a great monkey king, who lived on the banks of Ganga in the Himalayas, with 80,000 followers. They fed on the fruit of special mangoes trees which were very sweet. Such exquisite mangoes didn't grow in the plains. One day, a ripe mango fell into the river and floated all the way to Varanasi. There the king of the city who was bathing in the river, found it and was amazed when he was tasted it. He asked to foresters of his kingdom whether they could find the trees for him and this led him all the way to the Himalayas. There, the king and his courtiers had heir their mangoes. At night, the king and courtiers were also feasting on the fruit and decided to kill them.

HARSH MANDLOI

9TH 'B'

Riddles

1. **Is an older one hundred dollar bill worth more than a newer one?**
2. **Railroad crossing without any cars. Can you spell that without any R's?**
3. **I'm tall when I'm young and I'm short when I'm old. What am I?**
4. **What is greater than the God, more evil than the Devil? The poor have it, the rich need it, and if you'll eat this... you'll definitely die...**
5. **What has a head and a tail, but no body?**
6. **There was a green house. Inside the green house there was a white house. Inside the white house there was red house. Inside the red house there lots of babies. What is it?**
7. **What kind trees do you carry in your hand?**
8. **Which creature walks on four legs in the morning, two legs in the afternoon and three legs in the evening?**

ANSWERS

1. **Of course it is a $100 bill is worth more than a $1 bill.**
2. **THAT**
3. **Candles.**
4. **Nothing. Good riddles like this never get old.**
5. **A coin.**
6. **Watermelon.**
7. **Palm.**
8. **Man (Human).**

GARIMA SONI

12TH 'B'

Never let a thought shrivel and die.
For want of a way to say it;
For English is a wonderful game,
And all of you can play it.
All that you have to do is match the words.
To the brightest thoughts in your head;
So that they come out dear and true;
And handsomely groomed and fed.
For many of the loveliest things;
Have never yet been said;
Words are the food and dress of thoughts they give its body and swing.
And everyone's longing today to hear.
Some fresh and beautiful thing;
But only words can free a thought.
From its prison behind your eyes;
May be your mind is holding now.
A marvelous new surprise!

SHIVAM VAISHNAV
9TH 'B'

The Importance of English

According to Sir Ifor Evans, "It is the only possible language for world communication." English is the richest, the most varied and the most powerful language in the world. It is spoken by the majority of the world's population. It is understood for practical purposes, almost everywhere. Pandit Nehru called this 'a window upon the world.'

Many narrow minded people think that English is of no importance in free India. It was forced on us by British. They say it is a foreign language. We are free people. We must not hang on to it like slaves. Its place must now be taken by our own language.

This is a mistaken view. It is also a harmful one. Indeed English is more important than it ever was. Every other developing country in the world has realized its importance. Total abolition of English would be a cultural suicide. English is our indispensable second language. English is the link language of the world of today. It is the language of the modern commerce and culture, science, technology, wisdom and knowledge. We can't banish it from our intellectual and practical life. We must retain it in progress in the fast moving world. We must allow it to enrich and vitalize our own language and literature. We shall be better Indians by looking more and more of English.

NIKHIL YADAV

9TH 'B'

Ship of the Desert

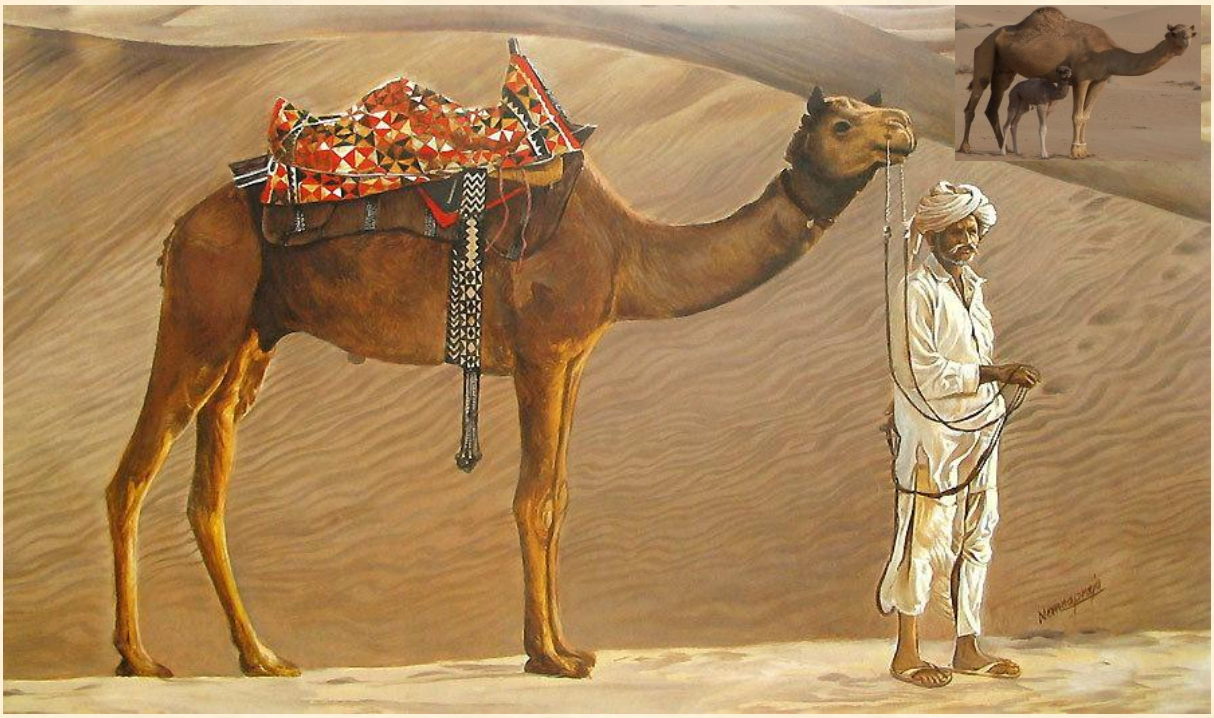

A mother and a baby camel…….

Baby: Mom…..

Mom: Yes dear….

Baby: Why do we have humps, Mom?

Mom: Son, we are desert animals. We need humps to store water.

So that we can survive in the desert without water for days!

Baby: Oh!

Baby: And what about our long legs, Mom?

Mom: They help us to walk in desert easily….

We can easily move through the desert than any other animal.

Baby: And our eyelashes?! They are so long…

Sometimes they got into my eyes and I can't see anything.

Mom: Son, these long lashes protect our eyes from sand and wind in the desert.

Baby: So if are desert animals, then what in God's name are we doing in a Zoo, Mom?

Mom: …..?!

Lord Krishna and Arishthasura

One day a huge bull entered Vrindavan and attacked the villagers. People asked Krishna to help. Shree Krishna reached the scene and realized that the bull wad a demon. He tackled the bull to the ground and pierced its horns. At the end of a fierce fight, demon left the bull's body and bowed before Lord Krishna. He informed Krishna that he was cursed to be a demon bull, because he did not respect his Guru.

MORAL: - Respect your Teachers/ Elders.

Amazing Facts of Your Body

1. Our blood has same amount of salts in it as an ocean has.
2. There are 500 hairs in our eyebrow.
3. The average human body contains approximately 100 billion nerve cells.
4. It is not possible to sneeze with open eyes.
5. Bones are 4 times stronger than concrete.
6. You are born without knee caps and they don't appear until age of 2-6 years.
7. Children grow faster in springtime.
8. Eyes stay the same size throughout life but nose and ears never stops growing.
9. Hair is made of the same substance as fingernails.
10. Our entire body function stop when we sneeze, even our heart beat.
11. Tongue is the strongest muscle in human body.
12. Food takes 7 seconds to reach stomach from mouth.
13. Children have more taste than adults.
14. Sneeze blows air out of the nose at the speed of 100 miles/hour.
15. The largest muscle in your body is one on which you are sitting on.
16. Smallest bone of body is in ear.

Amazing Facts about Human Eye

1. **An average person blinks 12 times per minute.**
2. **It is composed of more than 2 million working parts.**
3. **Human eye has resolution of 576 megapixels.**
4. **Corneas are the only tissues that don't require blood.**
5. **It can process 36,000 bits of information every hour.**
6. **The eyeball weighs approximately 28 grams.**
7. **An eye blinks about 10,000 blinks per day.**

AKANKSHA SHARMA

11TH 'B'

Amazing Facts about Sleep

1. **The record for the longest period of time without sleep stands at 264.4 hours and was set by a high school student in 1964.**
2. **Only a doctor or medical professionals can tell if someone is actually awake or asleep because we are capable of taking short naps with our eyes open and without losing our balance.**
3. **Noises at night, especially those the first and last hours of asleep can the function of your immune system, even if they don't because you wake up.**
4. **Newborn babies spend among 65% of their sleep in rapid eye movement (REM).**
5. **You find it very difficult to fall asleep if the temperature of your room is too high.**

ZOYA KHAN

9TH 'B'

Amazing Facts

1. **The Australian blue reneged octopus is only 15cm. (6 inches) long but its deadly bite can kill a human within 5 minutes.**
2. **Manta rays, sometimes leap right out of the water and glide through air.**
3. **The Pacific Manta weights 1,600 Kg (3,350lbs), more than 25 people.**
4. **The Blue fin Tura has been known to cross the Atlantic Ocean in 119 days.**
5. **The Dwarf Shark is the world's smallest shark. Adults measure just 25cm (10 inches) long about the same height as this page.**

ADITI MISHRA

11TH 'B'

AMAZING FACTS

1. **You can't breathe through your nose with your tongue out.**
2. **Octopus has 3 hearts and color of its blood is blue.**
3. **10% of your life is spent with your eyes closed exclusively just because of blinking.**
4. **Zebra don't have a heart.**
5. **An elephant's tail can charge 3 mobile batteries.**
6. **More than half of the bones in human body are found in the hands and foot.**
7. **The nose can remember 50,000 different scents.**
8. **A monkey can understood Chinese language.**

KHUSHI KUMAWAT

9TH 'B'

Interesting Facts

1. Nerve impulses to and from the brain travel as fast 170 miles per hour.
2. The brain operates on the same amount of power as 10 watts light bulb.
3. The human brain cell can hold 5 times much information than the Encyclopedia Britannica.
4. Your brain uses 20% of the oxygen that enters your blood system.
5. The brain is much more active at night than during the day.
6. The brain itself can't feel pain.
7. 80% of the brain is water.
8. Facial hair grows faster than any other hair on the body.
9. Every day the average person loses 60-100 strands of hair.
10. The fastest growing nail is on the middle finger.
11. You must lose over 50% of your scalp hairs before it is apparent to anyone.

GARGEE PANDEY

11TH 'B'

Amazing Facts

1. A rabbit's teeth never stop growing.
2. Horses can sleep both lying down and standing up.
3. A blue Whale's tongue alone can weigh as much as an elephant.
4. Strands of a Spider web are stronger than steel wire of thickness is same.
5. An elephant's tooth can weigh as much as 5.4Kg.
6. Horses have around 205 bones in their skeleton.
7. 80% of people over the age of 100 are women.
8. An average human produces about 37,900 liters of saliva in a life span.
9. Large Kangaroos can cover 25 feet in a single leap.

PRAGATI RATHORE

11TH 'B'

Facts about Human Body

1. Heart circulates blood in your body about 1000 times each day.
2. The average human body contains approximately 100 billion nerve cells.
3. The average life span of a taste bud is only 10 days.
4. We, born with 300 bines but end up with 206 bones when we are an adult.
5. The human skull is made up of 26 different bones.
6. There are 45 miles of nerves in the body.
7. Red blood cells travel around your entire body in under 20 seconds.
8. The small intestine has an average length of 20-23 feet.
9. The visible part of teeth is named the Crown.
10. Tooth enamel is the hardest matter in human body.
11. People with Synesthesia, can literally "hear" colors, due to overlapping senses.
12. You know, you can see your nose all the time but somehow your brain always ignore it.
13. The acid in the stomach is strong enough to dissolve Zinc.
14. Our hearts pump 2,000 gallons of blood each day.
15. You could remove the stomach, the spleen, one kidney, 80% of the intestine and 75% of liver and still be able to survive.
16. The sound you hear when you crack your knuckles is actually the sound of Nitrogen gas bubble bursting.
17. There are 100,000 miles of blood vessels in your brain.
18. A brain chemical called Oxytocin makes you fell love.
19. Music increases brain organization.
20. You have an average of 70,000 thoughts per day.
21. Your brain generates 10-23 watts of electricity.
22. Stress alters brain cells and function.
23. Your brain uses 20% of the total Oxygen in your body.
24. Your brain stopped growing at age of 18.

MOKSHADA PAWAR

11TH 'B'

Organizing for Reform

Swami Vivekananda:-Named after Ramakrishna Paramhansa, Swami Vivekananda guru the Ramakrishna Mission stressed the ideal of salvation through social and selfless action.

The Prarthana Samaj: -Established in 1867 at Bombay; the Prarthana Samaj sought remove caste restriction, abolish child marriage encourage the education of women and end of the ban on widow marriage. Its religious meetings draw upon Hindu, Buddhist and Christian texts.

The Aligarh Movement: -The Mohammedan Anglo-Oriental College, founded by Sir Sayyad Ahmed Khanin 1875at Aligarh, later became the Aligarh Muslim University. The institution offered modern education, including western science to Muslims. The Aligarh Movement, as it was known, had an enormous impact in the area of educational reform.

NIKESH PATEL

11TH 'B'

Some Amazing Facts about the Earth

1. **Earth is only planet that has an atmosphere containing 21 percent oxygen.**
2. **It is only planet that has liquid water on its surface.**
3. **It is only planet in Solar System that has life.**
4. **The Earth is the only inner planet (Mercury, Venus, and Earth& Mars)to have one large satellite, the Moon. Mars has two very tiny moons, Mercury and Venus have none.**
5. **The Earth is around 4.6 billion years old according to scientists.**
6. **The Earth is the densest planet in the Solar System.**
7. **The Earth is 5thlargest planet in the Solar System.**
8. **The diameter of the Earthis 12,756 Km (7,926 miles).**
9. **Earth has an average surface temperature of 13oC (55.4o F).**
10. **The earth's orbital speed is 29.8 Km/Second (66,660 miles/hour).**
11. **Due to Earth's distance from the Sun, it takes about 8 minutes and 19 seconds for light to reach the planet from the Sun.**
12. **Oceans cover about 70% of the earth's surface much of which has been replaced.**

Interesting Facts about Indian Currency

1. Currency has existed in the form of coinage in India since the 6th century BC.
2. Paper money was 1st issued in the late 18th century.
3. The Reserve Bank of India formally inaugurated in 1935 and was empowered to issue Government of India notes.
4. The 1 rupees note was the 1st banknote printed by independent India.
5. 1000 rupees, 5000 rupees and 10,000 rupees note were reintroduced in 1954 and demonetized in 1978.
6. Demonization of 1 paisa, 2 paisa, 3 paisa, 5 paisa, 10 paisa, 20 paisa and 25 paisa wherein circulation till June 30, 2011 but were then withdrawn.

Facts about My India

1. India is the world's largest, oldest continuous civilization.
2. India is the world's largest democracy.
3. India never invaded any country in last 1000 years of history.
4. India invented the Number System (Zero) and was invented by Aryabhata.
5. Chess was invented by India.
6. India is the largest English speaking nation in the world.
7. India has the second largest pool of scientist and engineers in the world.
8. World's largest Solar Plant is situated in Tamilnadu. It produces 648 MW and its area is 10 $Km^{2.}$

9. India has the largest number of post offices in the world.
10. Martial arts were first created in India.
11. Yoga has its origins in India and has existed for over 5000 years.
12. Largest employer in the world is Indian Railways.
13. India was one of the richest countries till the time of British Rule in the late 17th century.

DIVYANSHI PATHAK
11TH 'B'

Something Special

- **Friendship: -**

What is friendship? The hangover faction; the gratis talk of outrage; Exchange by vanity, inaction. Or bitter of patronage.

- **Friend's Support: -**

You come as ray of light,

Made my life cheerful and bright,

Showering your affection over me,

So that my face is full of glee!

- **True Friend: -**

A friend is like a star that twinkles and glows. Or maybe like ocean that gently flows. A friend is like gold that you should treasure.

MAANSI GIRWAL

Busy World

Beer are buzzing, Frogs are hopping.

Moles are digging, there is no stopping.

Vines from climbing, Grasses from growing;

Birds from singing, Winds from blowing;

Buds from blooming, Bees are humming.

Sunbeams dancing, rainbows dreaming;

The entire world is whirling, dizzy.

Summertime is very busy and,

The world is very busy.

RITIKA PARIHAR

10TH 'B'

Team is a team,

A beautiful dream.

All the members are,

Like a dream.

Never divided,

Always united.

Team means a group,

Hard working troops.

Always work like ants,

Always think of friends.

This is a team,

A friendly dream.

Like a cream,

Always remain united.

Go with friends,

When they are divided;

Team is a stream,

With lots of dreams.

RUPALI AKHADE

10TH 'B'

The Squirrel

He wore a question mark for tail,

An overcoat of gray,

He set up straight to eat a nut,

He liked to tease and play.

And if we ran around his tree,

He went the other way.

SHIVAM BAROD

10TH 'B'

Nature

Look at the nature so green,

The trees are filling up its scene.

Chirp-chirp the bird are chirping,

Whoo-whoo the winds are brazing.

All are happy with the nature,

As it is the best feature.

Song of birds bring tranquility,

I wake up at dawn to listen to their melody.

Our wood becomes mellow,

Seeing flower red, blue, yellow.

The leaves are filled with dew drops,

With happiness of waving crops;

But this is being lost,

Because of the rising demon,

In coming times we won't get seeds,

They are being destroyed cause of our devilish deeds.

RUPALI AKHADE

10TH 'B'

Three Friends

We are three friends,

We follow all trends.

We call ourselves three idiots,

But we three are superiors.

We together suffer all the pain,

And share each profit we gain.

We are like stars,

Which glow like spark?

We are like shining peals,

And like hair having curls.

We all like a strong rope,

This will never break.

We love each other,

And always stay together.

RUPALI AKHADE

10TH 'B'

All My Great Excuses

I started on my homework,

But my pen ran out of ink.

My hamster ate my homework,

My computers on the blink,

In accidently dropped it,

In the soup my mom was looking.

My brother flushed it down in the toilet,

When was not looking.

My mother ran my homework,

Through the washer and the layer;

An airplane crashed into our house,

My homework caught on fire.

Tornadoes blew my notes away,

Volcanoes struck our town.

My notes were taken hostage,

By an evil killer clown;

Some aliens abducted me,

I had a shark attack;

A pirate swiped my homework,

And refused to give it back!

AMAN BHAWAR

10TH 'B'

An article on APJ AbulKalam: The Missile Man

APJ AbulKalam was born on 15 October 1913 at Rameshwaram, Tamilnadu. He is a man of great distinction. He is known as the Missile Man of India, worldwide. Healso became very popular as India's 11th President.

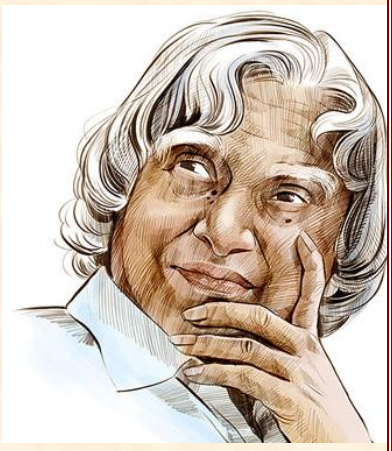

Kalam had inherited his parent's honesty and discipline which helped him in his life.

He specialized in Aeronautical Engineering from Madras Institute of Technology. Kalam's contribution in the development of Ballistic Missiles and Space Rocket Technology arenoteworthy. He also played Pivotal, Political, Organizational and Technical role in Pokhran-II Nuclear Tests in 1998.

He was a visiting professor at IIM Ahmedabad, IIM Indore and Chancellor of Indian Institute of Space Science, Thiruvanantpuram among many others. He was awarded by the most coveted civilian award- Padma Vibhushan (1990) and he passed away on 27 July 2015 at Shilong.

VIRENDRA MORE

10TH 'B'

The Rewarding Obstacle

Ever heard about an obstacle that proves to be rewarding? What if I say that every obstacle that wee across in our lives has got something great to offer!

In ancient times there lived a king. One day he decided to test the people of his kingdom. He wore ordinary clothes and placed a boulder on the way. Then he hides himself and watched if anyone can remove that huge obstacle.

Some of the king's wealthiest merchants and courtiers come by and simply around it. Many loudly blamed the king for not keeping the roads clear, but none did anything about getting the stone out of the way. Then a peasant comes along carrying a load of vegetables upon. Approaching the boulders the peasant laid down his burden and tried to move the stone to the side of the road. He found it almost impossible to remove, but he didn't give up and kept applying solid efforts. By seeing his determination, the King came out of the hiding place and helped him. After much pushing and straining, they finally succeeded.

When the peasant picked up his load of vegetables, he noticed a purse lying on the road when the boulder had been. The king handed the purse to him, revealing his true identity, as a reward for removing that obstacle, thus making the way smooth for everybody.

The surprised and happy peasant learned what many of us never understand.

MENEATH OF EACH AND EVERY OBSTACLE, LIFE HIDES A REWARD FOR US WHICH MY BE IN THE FORM OF A GOOD LESSON TOO; SO THE TRICK LIES IN NOT JUST CROSSING THE OBSTACLE, BUT REMOVEING IT!!!

Fun Time

1. **Teacher: What is your name?**
   Student: Ravi.
   Teacher: You should say 'Sir'.
   Student: Ok! Sir Ravi.

2. **Hardik: Rohan! Why are you standing below a tube light with your mouth wide open?**
   Rohan: Because doctor advised me that dinner should be light.

3. **Patient: Doctor! Doctor! I keep seeing spots before my eyes.**
   Doctor: Have you seen psychiatrist?
   Patient: No! Just spots.

4. **Principal: Do you know that school starts at 8 AM!? Why do you come late?**
   Student: Sir! Please don't wait for me…. By go ahead and start the school.
5. **Kid: Dad! Is it true that an apple a day keep the doctor away?**
   Dad: That's what they say.
   Kid; well give me an apple quick. I have just broken the doctor's window.

6. **Father: Had your lunch?**
   Suresh: Had your lunch?
   Father: I am asking you…
   Suresh: I am asking you…
   Father: Why are you copying me?
   Suresh; why are you copying me?
   Father: I will show you my report card.
   Suresh: I had my lunch… Dad!

7. **Teacher: What is the importance of year 1869?**
   Vijay: It was the year Mahatma Gandhi was born.
   Teacher; what happened in 1879?
   Vijay: Mahatma Gandhi turned 10.

ओ३म्

आधुनिक समस्यानां संस्कृते समाधानम्

साम्प्रतमखिलमपि विश्वमनेकाभिः समस्याभिः पीडितो दृश्यते। इदानीमहमाधुनिकसमस्याः काः तत्समाधानं च संस्कृतं कथमिव इति प्रतिपादयिष्ये। सम्प्रति न केवलं भारतेऽपितु विश्वस्मिन् विश्वे विकरालकालकृतान्तोऽयमातंकवादः लादेन, अफजलगुरुकसाबसदृशसमाजघातीनां माध्यमेन कुत्र स्वकोपानलदाहध्वंसमुत्पादयेत् इति न कस्यापि विदितम्। येन विश्वस्य समेऽपि समाजशास्त्रिणो मनीषिणश्च चिन्तावेशितसमाकुलमानसाः अस्याः समस्यायाः समाधानाय परस्परमुखाप्रेक्षिणः सन्ति। अथापि अपरा विकटविश्वसमस्या वर्तते पर्यावरणसमस्या। मान्याः अद्य सकलमपि विश्वं जलप्रदूषणं वायुपदूषणं वैश्विकतापनं 'ग्लोबल वार्मिंग' सदृशपर्यावरणसमस्याभिः व्यापाद्यते। किन्तु इदानीमपि मानवः पर्यावरणं प्रति न बद्धसंकल्पाः। येनैषा विकटविश्वसमस्या अहर्निशमभिवर्द्धमानां दृश्यते अयि सभ्याः! सम्प्रति विश्वस्य मानसपटले भ्रष्टाचारोऽपि भीषणसमस्यारूपेण वर्तते। सर्वत्रैव उत्कोचप्रदानं खाद्यवस्तुषु अखाद्यस्य मिश्रणमनुचितसाधनेन धनोपार्जनमित्यादि विविधरूपैः भ्रष्टाचारः समाजेऽसामंजस्यमुपजनयति। विशषतो युवानः अनियन्त्रितस्वेच्छाचारवशात् भीषणगर्तातिथयोभूत्वा विश्वविनाशाय चेष्टन्ते। किन्नु नास्ति अस्याः दारूणदुखाक्रान्तवसुमति वेदनायाः कोऽपि उपचारः? मैवं मंस्थाः। विद्यते संस्कृतं नाम समाधानं येनैताः विकटविश्वसमस्याः वन्यतृणमिव भस्मसात्भविष्यन्ति। कथमिति जिज्ञासितं चेत् संस्कृतवाङ्मये हि अनेकसहस्त्राब्दचिन्तनगहनप्रौढविचाराणामृषिमहर्षिणां च परिपक्वसिद्धान्ताः

निहिताः। मान्याः आधुनिकसमस्यानां कारणानि विचार्यन्ते तर्हि स्थूलदृष्टया धर्मान्धता, स्वार्थलिप्सा, धनलोलुपता, सुदृढप्रशासनस्याभावः इत्यादीनि बहूनि कारणानि दृष्टिपथमायान्ति। किन्तु प्रतनुमपि सूक्ष्मेक्षिकया वीक्ष्यते चेत् नैतिकसत्शिक्षायाः अभावः एवात्र मूलत्वेन दरीदृश्यते। न खलु शिक्षायाः अभावः। दृश्यन्ते किल! उच्चशिक्षाप्राप्ताः आततायिनो भ्रष्टाचारिणश्च। अतः नैतिकमूल्यानां ह्रासः एवात्र मूलकारणम्। संस्कृतशिक्षया च द्विधा नैतिकविकासः सम्भवः। शिक्षाप्रणाल्या, संस्कृतवाङ्मयपरिशीलनेन च। अमुष्यां प्रणाल्यां हि छात्रे शुचिताप्रमादब्रह्मचर्यादिगुणानां प्रतिष्ठापनं भूयोभूयः परिक्षणं चापि येन विद्याविडम्बनं न स्यात्। तदाह निरुक्तकारः- विद्या ह वै ब्राह्मणमाजगाम गोपायमा शेवधिष्टेऽहमस्मि असूयकायानृजवेऽयताय न मा ब्रूयाः वीर्यवती तथा स्याम॥ एवं विधा अध्यापिताः विविधविद्याः विश्वकल्याणाय एव छात्रं प्रेरयन्ति।

'नासा' इत्यभिधायाः संस्थायाः वैज्ञानिकानामनुसारेण अन्तरिक्षे सन्देशप्रेषणे या समस्या भवति स्म, तस्याः, समाधानं संस्कृतमाध्यमेनैव सञ्जातम् संस्कृतोच्चारणेन मनुष्यस्य मनोमस्तिष्कं सबलं शरीरं च स्वस्थं भवति। अधुना योऽपि भारतीयो विद्वान् विद्यालयेषु संस्कृतच्छात्रान् आजीविकायाः अभावस्य भयं दर्शयित्वा हतोत्साहितान् कुर्वन्ति, तत्सर्वथा निराधारमस्तीति उपर्युक्तविश्लेषणैः स्पष्टमेव। संस्कृतस्य व्याकरणसाहित्यज्योतिषादीनां विशेषवस्तु अध्येतारः अस्य हस्तामलकवत् प्रत्यक्षमनुभवन्ति।

अयि धर्ममर्मज्ञाः। धर्म जिज्ञासमानानां प्रमाणं परमं श्रुतिरुपदिशति- वनस्पतिं वन आस्थापयध्वम् अथापि 'नाप्सु मूत्रपुरीषं कुर्यान्न निष्ठिवेत्' इत्यादि वचनैः मानवस्य पर्यावरणीयं कर्तव्यमेव बोध्यते। अद्य सर्वत्रैव वृक्षवनस्पतयः छिद्यन्ते किन्तु संस्कृतवाङ्मयं 'पातुं न प्रथमं व्यवस्यति जलम्' दशपुत्रसमो द्रुमः इति उदात्तभावनया वृक्षवनस्पतीन् पुत्रमिव

संरक्षणायं प्रेरयते। अथवा किमधिकं प्रख्यापनेन सकलमपि यज्ञविज्ञानं पर्यावरणपोषकमव। मान्याः! नैतिकमाचरणं सर्वहिसाधकं कर्तव्याकर्तव्यस्य च बोधकं भवति। यस्याभावे मानवः स्वार्थभावनायां स्वीयकर्तव्येण पराङ्मुखः सन्तिष्ठते। संस्कृतवाङ्मयञ्च 'वसुधैव कुटुम्बकम्, सर्वे भवन्तु सुखिनः, आचारः परमो धर्मः' इत्यादि शतशो नैतिकवचनैः विश्वबन्धुतवस्य भावमद्रयेतरि समुद्भावयति। अतः आधुनिक समस्यानां समाधानाय संस्कृतसमं नान्यत् साधनमस्तीति नात्र काचित् विप्रतिपत्तिः। किन्तु विश्वेऽस्मिन् क्रूरनृशंसाः अपि नराः, ये सदाचारं दुर्बलत्वं मूर्खत्वं वापि परप्राणाञ्च तृणमिव मन्यन्ते। उपलभ्यते तेषामपि नराधमानां सम्यक् समाधानं संस्कृतवाङ्मये। कथयति मत्स्यपुराणकारः न शक्या ये वशीकर्तुं उपायत्रितयेन तु। दण्डेनैतान् वशीकुर्यात् दण्डो वशीकृन्नृणाम्। उत वा श्रूयतां स्फुटस्वरः राजर्षि मनोः- 'गुरुं वा बालवृद्धं वा ब्राह्मणं वा बहुश्रुतम्। आततायिनमायान्तं हन्यादेवाविचारयन्। अयि सभ्याः! नूनमासीत् स कोऽपि पुण्यमयः समयः यदा संस्कृतं नाम देवीवाक् विश्वे विलसति स्म। तदैव राजानोऽपि सडिण्डिमं सोद्घोषं ब्रूवन्ति स्म- 'न मे स्तेनो जनपदे न कदर्यो न मद्यपः। नानाहिताग्निर्नाविद्वान् न स्वैरी स्वैरिणी कुतः।। किन्तु अद्य संस्कृताभावे सदाचारभावः, सदाचाराभावे च विश्वस्य तु का कथा, सम्प्रति समग्रभारते दामिनीयामिनी काण्डानि जायन्ते दिने दिने। अतः भवत्सु एतावदेवोक्त्वा विरमामि यत् माध्यन्दिन दिवाकरवत् अवितथं जाज्वल्यमानमिदं यत् आधुनिकसमस्यानां समाधानाय संस्कृतसमं नान्यत्साधनमस्ति। अतः

जयतु संस्कृतम् रक्षतु विश्वम्।।

अनुज कुमार पाठकः

टी.जी.टी. (संस्कृत)

प्रहेलिका:

कस्तूरीजायतेकस्मात्?
कोहेन्तिकरिणांकुलम्?
किंकुर्यात् कातरो यु?
मृगात् सिंह: पलायेत !!१!!

सीमन्तितीषका षान्ता?
राजाकोऽभूत् गुणोत्तम:?
विद्वद्भि: कासदावन्द्या?
अजैवोक्तं न बुध्यते !!२!!

कंसजघानकृष्ण:?
का शीतलवाहिनीगा?
केदारपोषणरता:?
कंबलवन्तं न बाधते षीतम्
!!३!!

वृक्षाग्रवासीन च पक्षिराज:
जिनेजधारीन च षूलपाणि:।
त्वग्वस्जधारीन चसिद्धयोगी
जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघ:
!!४!!

उत्तर.....

प्रथम पहेलिका–अन्तिमेचरणेक्रमा: जयाणांप्रष्नानांपदै: उत्तरंदत्तम्

द्वितीया पहेलिका–प्रथम–द्वितीय–तृतीय चरणेषुप्रथमस्य व अंतिमर्णेनसंयोगात् उत्तरंप्राप्यते।

तृतीय पहेलिका–प्रत्येकंचरणे प्रथमद्वितीययो: प्रथमजयाणां वा वर्णानांसंयोगात् तस्मिन् चरणेप्रस्तुतस्य प्रश्नस्य उत्तरंप्राप्यते।

चतुर्थ पहेलिकाया: उत्तरम् –नारिकेलफलम्।

गार्गीपाण्डेय
१० वी 'ब'

अद्भुतस्वप्न?

राजीवव्य अदभुतंस्वपनम्
सिंहोवदति म्याऊ-म्याऊ
हस्ती धावति यथाचिजक
सर्पः वदति भौं-भौंभाऊ।
भल्लूकदुर्बलः तथा यत्।
यथाचमरपुच्छंसंजातः।
मूषकभीता धावतिमर्जारी।
शाक धातते शंगयुतः।

पंजलबघेल
१० वी अ

पहेलिकाः

१. स्नेंहददाति योमहंय नित्यंतस्मददाम्यहम्।
ज्योतिपदार्थज्ञानार्थकोऽहंवदतुसाम्प्तम. उत्तर-दीपक

२. जिनेजोऽपिशिवोनास्मि, धटोनास्मिजलान्वितः
कूर्चश्मश्रुयुतोनित्यं, नरोनास्मिब्रवीतु माम उत्तर-नारिकेल

३.तनतैहींनशिलाभक्षीनिर्जीवोबहुभाषकः।
गुणस्यूतिसमृद्धोऽपिपरपादेनगच्छति उत्तर-जूता

४.मेघश्यामोऽस्मिनो कृष्णो, महाकायो न पर्वतः।
बलिष्ठोऽस्मि न भीमोऽस्मिकोऽस्म्यंहनासिकाकरः उत्तर-हाथी

वैभवमानकर ११ वी ब

कर्मण्येवाधिकारस्तेमाफलेषुकदाचन

गीतायाः महत्वम्–विदितमेवेदंतथ्यंसमेषामपिविपशिचतां यद भगवत् गीतेयम् प्रस्तवीतिकर्मयोगस्य महत्तवम्। जीवनेकर्मयोगस्य कावष्यकताइत्यत्र सन्तिबहबोवादाः।

मानवजीवनेकर्मैवतारकम्, साधकम्, प्रत्यूहवारकम्, दुःखनिरोधकम् अर्थाधिगमसाधनम्, पापनिवारकम, चेति। यत्र कर्म तत्रतत्र सुखमं कर्मणः सुखाधिगमहेतुत्वात्, यथारामदिजीवने। यत्र तत्र कर्माभावः तत्र त. दुःखावसादः अकर्मणोदुःखमूलत्वात्, श्वपाकादिजीवनेदारिद्र्यादिदर्शनात!

१. कर्मण्येवाधिकारस्तेमाफलेषुकदाचन।
   माकर्मफलहेतुर्भर्माति सङ्गोऽस्त्वकर्मणि।।

२. हतो वा प्राप्स्यसिस्वर्गंजित्वा वा भोक्ष्यसेमहीम।
   तस्मादुत्तिष्ठकौन्तेय युद्धाय कृतनिश्चयः।।

३. नियतंकुरू कर्मत्वंकर्मज्यायोह्यकर्मणः।
   षयिरयात्रापि च ते न प्रसिध्येदकर्मणः।।

४. योगस्थकुरू कर्माणि सङ्गं त्यक्त्वा धनञ्ज्यः।
   सिद्धयसिद्धयोः समोभूत्वासमत्वं योगउच्यते।।

अदितिमिश्रा
१० वी 'ब

शिवसल्पमस्तु

संस्कृतभाषायावेदाः आदिग्रन्थाः सन्ति।वेदानांमंत्रेषु धर्म-दर्षन-कला-यज्ञादिविधीनांज्ञांनतथा च वैदिक-ऋषिणांसार्वभौमिकचिन्तनं दृश्यते।मन्त्राणांपारायणेनवाक्शुद्धिः मनः षुद्धिं च भवति।प्राणिनांमनः एव सर्वेषांकार्याणांसम्पादकंभवति एतदर्थंमनः शुभंकल्याणप्रदं च भवतुइतिकामनामन्त्रेषुकृता।

यज्जाग्रतोदूरमुदैतिदैवंतदुसुप्तस्य तथैवैति।
दूरङ्गमंज्योतिषांज्योतिरेकंतन्मेमनः शिवसङ्ल्पमस्तु ।।१।।

येनकर्माण्यपसोमनीषिणो यज्ञे कृण्वन्तिविदथेषु धीराः।
सदपूर्वं यक्षमन्तः प्रजानांतन्मेमनः शिवसङ्ल्पमस्तु ।।२।।

यत्प्रजानमुतचेतो धृतिश्च यज्जयोतिरन्तरमृतंप्रजासु।
यस्माज ऋतेकिंचनकर्मक्रियतेतन्मेमनः शिवसङ्ल्पमस्तु ।।3।।

येनेदंभूतंभुवनंभविष्यत्परिगृहीतममृतेनसर्वम्।
येन यज्ञस्तायतेसप्तहोतातन्मेमनः शिवसङ्ल्पमस्तु ।।४।।

यस्मिंमृचः साम यजूंशि यस्मिन् प्रतिष्ठितारथनाभाविवाराः।
यस्मिंश्चित्तंसर्वमोतंप्रजानांतन्मेमनंशिवसङ्ल्पमस्तु ।।५।।

असमांकप्रदेशः

भारतः अस्मांकदेशः।भारतवर्षस्य मध्यभागे मध्यप्रदेशः विराजते यथा शरीरेहृद्द्वयम। मध्यप्रदेशस्य मध्ये नर्मदाप्रवहति, यथाकट्या मेखला। तस्याः उत्तरतटेविन्ध्याचलः दक्षिणतटे च सतपुड़ापर्वतः अस्ति। मध्यप्रदेषस्य राजधानीभोपालनगरम्। अज विन्ध्याचलसतपुड़ा च द्वे प्रमुखे शासकीयभवनेस्तः।

मध्यप्रदेशः १९५६ तमे खिस्ताब्देनवम्बरमासस्य, प्रथम दिनाङ्के सुगठितः।प्रदेशस्य मालवभूभयाः मनोहरवर्णनंकविराजेनकृतम।उज्जयिनीभगवतः कृष्णस्य अध्ययनस्थली।भीमबेठकास्थलै शैलगुहासुप्राचीनतमानिचिजाणिसन्ति। खजुराहोमन्दिराणिमूर्तिकलार्थप्रसिद्धानि।सा ँची स्तूपः बौद्धानां धार्मिक-स्मारकः।

मध्यप्रदेषस्य तृतीयाषः वयंकाष्ठानि, फलानि, मूलानि, औषधिः च प्राप्नुमः।वनानिभूमिक्षरणंपर्यावरणं च रक्षति।वनेषु खगाः, मृगाः ष्वापदाः च निवासन्ति। मध्यप्रदेशमाधवोद्यानंकान्हाकिसली, बान्धवगढ़ः च राष्ट्रीयानिउद्यानानिसन्ति।वनरक्षणेवनवासीनांविशेष योगदानम्। एतेजनाः वनेषुनिर्भयंविचरन्ति।

वन्यवस्तुनांसंग्रहः कृषिः पशुपालनं च तेषांजीविकासाधनम्। मध्यप्रदेशस्य पष्चिमभागेभिल्लंवशीयाः वनेचराः सन्ति। एतेजनाः बलिष्ठासहनशीलाः चः भवन्ति।पूर्वमध्यप्रदेशप्रायः गौण्डवंशीयाः उरा ँव वा व सन्ति। एतेप्रायेणनिर्धनाः अशिक्षिताः च।साम्प्रंत शासनं एषांउन्नत्यैबहुयतते।अमरकंटकात् उद्भूतानर्मदा नदी मध्यप्रदेषस्य पवित्रतमा नदी अस्ति। मध्यप्रदेशात् उद्भूताः नद्यः समीपस्थंराज्यानांभूमिसिंचन्ति। मध्यप्रदेशेपन्नामण्डलंरत्नानां खनिभूमिः। अजप्राप्ताः लौहादयः खनिजाः उद्योगानाआधारभूताः। एवंराष्ट्रजीवने मध्यप्रदेशः महत्वपूर्णः जयतुजयतु! भुविभारतदेशेसुखदोसुखदो मध्यप्रदेशः।

मोक्षदापवार
१० वी 'ब*

मातुलचन्द्र

कुतआगच्छसिमातुलचन्द्र?
कुत्र गमिष्यसिमातुलचन्द्र?

अतिशयविस्तृतनीलाकाशः
नैव दृश्यतेक्वचिदवकाशः
कथंप्रयास्यसिमातुलचन्द्र?
कुतआगच्छसिमातुलचन्द्र?

कथमायासि न भो! ममगेहम्
मातुल! किरसीकथं न स्नेहम्
कदाऽऽगमिष्यसिमातुलचन्द्र?
कुतआगच्छसिमातुलचन्द्र?

धवलंतवचन्द्रिकावितानम्
त्वत्करवचितंसितपरिधानम्
महांदास्यसिमातुलचन्द्र?
कुतआगच्छसिमातुलचन्द्र?

त्वरितमेहिमांश्रावय गीतिम्
प्रिय मातुल! वर्धय मेंप्रीतिम्
किन्नायास्यसिंमातुलचन्द्र?
कुतआगच्छसिमातुलचन्द्र?

भाविकाअवस्थी
८ 'अ

सुभाषितानि

गुणागुणज्ञेषुगुणाभवन्ति
तेनिर्गुणंप्राप्य भवन्तिदोषाः।
सुस्वादुतोयाः प्रभवन्ति नद्यः
समुद्रमासाद्य भवन्त्यपेयाः।।१।।

साहित्यसबतकलाविहीनः
साक्षात्पशुः पुच्छविषाणहीनः।
तृणं न खादन्नपिजीवमानः
तद्भागधेयंपरंम पशूनाम्।।२।।

लुब्धस्य नश्यति यशः पिशुनस्य मैत्री
नष्टक्रियस्य कुलमर्षपरस्य धर्मः।
विद्याफलंव्यसनिनः कृपणस्य सौख्यं
राज्यंप्रमत्तसचिवस्य नराधिपस्य।।३।।

पीत्वारसंतुकटुंक मधुंरसमांन
माधुर्यमेवजनयेन्मधुमक्षिकासौ।
सन्तस्तथैवसमसज्जनदुर्जनाभ्यां
श्रुत्वा वच मधुरसूक्तरसं सृजन्ति।।४।।

हंशिकाचौहान
१० वी 'ब

सदैवपुरतोनिधेहि चरणम्
चलचलपुरतोनिधेहिचरणम्।
सदैवपुरतोनिधेहिचरणम्।।

गिरिशिखरेननुनिजनिकेतनम्।
विनेवचाननगाहरोणम्।।
बलस्वकीय भवतिसाधनम्।
सदैवपुरतो.....।।

पथिपाषाणाविषमाः प्रखराः।
हिंसंजा पषवपरितो घोराः।।
सुदुष्कंर खलु यद्यपि गमनम्।
सदैवपुरतो.....।।

जहिहीभीतिभजभज षक्तिम्।
विधेहि चरणम् राष्ट्रे तथाऽनुषक्तिम्।।
कुरू करू सतंत ध्येय-स्मरणम्।
सदैवपुरतो.....।।

युवराज सिंह ठाकुर
१० वीं 'ब

विमानयानंरचयाम

राघव! माधव! सीते! ललिते!
विमानयानंरचयाम।
नीलेगगनेविपुलेविमले
वायुविहारं करवाम।।१।।

उन्नतवृक्षांतुबंभवनं
क्रानत्वाकाशं खलु याम।
कृत्वाहिमवन्तंसोपांन
चन्दिरलोकं प्रविषाम।।२।।

श्शुक्रष्चन्द्रः सूर्यौगुरूरिति
ग्रहान् हिसर्वानगणयाम।
विविधाः सुन्दरताराशिचत्वा
मौक्तिकहारं रचयाम।।३।।

अम्बुदमालाम् अम्बरभूषाम्
आदायैवहिप्रतियाम।
दुःखित-पीडित-कृषिकजनानां
गृहेषुहर्ष जनराम।।४।।

अविनाशपरमार
९ वी 'अ